RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 10 अगस्त 2026 | वर्षः 04, अंकः 141 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जेन-जी ऐसी ताकत है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकताः प्रधान

अपने इस्तीफे पर धर्मेंद्र प्रधान ने तोड़ी चुप्पी, नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान जेन जी को गुमराह करने की कोशिशें की गईं

भुवनेश्वर/एजेंसी
बीजेपी नेता और संबलपुर के सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान जेन जी को गुमराह करने की कोशिशें की गईं, जिसके कारण उन्हें केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पद छोड़ना पड़ा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर इस मुद्दे को लेकर हुए जबरदस्त विरोध-प्रदर्शनों के बीच पद छोड़ने के ठीक दो हफ्ते बाद प्रधान ने भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए अपने इस्तीफे पर चुप्पी तोड़ी।

'मेरे लिए पद महत्वपूर्ण नहीं था'
प्रधान ने कहा, "जेन जी हमारे बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। तब मेरा कोई निजी मसला नहीं था। भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे पैदा होते हैं। पिछले 10 सालों में 20 करोड़ बच्चे पैदा हुए। उनकी अपनी उम्मीदें हैं और वे भारत को विश्व गुरु बनाएंगे। मेरे लिए पद महत्वपूर्ण नहीं था।" उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया था और केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी। इसके बाद प्रधान ने 25 जुलाई को मंत्रालय से इस्तीफा दे दिया।

मैंने अपने काम से कभी लोगों को शर्मिंदा नहीं कियाः धर्मेंद्र प्रधान

प्रधान ने बीजेडी अध्यक्ष पर अपने खिलाफ विरोध-प्रदर्शन में युवाओं को शामिल करने का आरोप लगाते हुए कहा, "नवीन बाबू मुझे ओडिशा के लोगों के लिए शर्म की बात और एक बुरा इंसान भी कहते हैं।"

'मैंने अपने काम से कभी लोगों को शर्मिंदा नहीं किया'
उन्होंने सवाल करते हुए कहा, "क्या मैंने कभी ऐसा कुछ किया है जिससे ओडिशा के लोगों को शर्मिंदा होना पड़े?" उन्होंने कहा, "हो सकता है कि मैं राज्य का नाम रोशन न कर रहा होऊं लेकिन मैंने अपने काम से कभी भी लोगों को शर्मिंदा नहीं किया है। मैं कभी ऐसा कोई काम नहीं करूंगा जिससे राज्य की बदनामी हो।" प्रधान ने कहा कि भगवान जगन्नाथ और संबलपुर की आराध्य देवी समलेश्वरी के आशीर्वाद से वे 12 साल पहले केंद्रीय मंत्री बने थे। पटनायक के खिलाफ उनकी यह टिप्पणी एक ऐसे मंच से आई, जहां बीजेडी विधायक और ओडिशा विधानसभा में उप-नेता प्रसन्ना आचार्य भी मौजूद थे।

वंदे मातरम्' के 150 साल पूरे होने का जश्न

नई दिल्ली
भारतीय वायु सेना का बैंड रविवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में परम योद्धा स्थल स्थित पब्लिक प्लाजा पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदर्शन करेगा।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार वन्दे मातरम् के राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर यह संगीतमयी प्रदर्शन सार्वजनिक सहभागिता के माध्यम से राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। 32 वायु सैनिकों और 8 अग्निवीर वायु जिनमें तीन महिलाएं शामिल हैं की एक टीम नौ अगस्त को शाम पांच बजे से छह बजे तक इस स्थल पर प्रदर्शन करेगी। इस कार्यक्रम के मुख्य कंटक्टर मास्टर वारंट ऑफिसर ए श्रीहरी होंगे।

बीजेडी और नवीन पटनायक पर साधा निशाना
रायराखोल में एक और बैठक में प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेडी कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन और वापस जाओ के नारों से उन्हें कोई परेशानी नहीं है। एयरपोर्ट के पास बीजेडी के युवा और छात्र विंग के कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "मैं एक किसान का बेटा हूं। अगर आप मुझे वापस जाने के लिए भी कहेंगे तो भी मैं वापस आऊंगा।"

भारत नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगाः राजनाथ

नई दिल्ली/एजेंसी
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस को दुनिया के सामने रखा। इस अभियान के जरिए पूरी दुनिया को संदेश गया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि देश की महिलाओं के ह्यसिंदूरद्व की रक्षा के लिए भारतीय सेना ने आतंकवादियों और उनके आकाओं को करारा जवाब दिया। राजनाथ सिंह रविवार को दिल्ली कैंट स्थित बेस अस्पताल में आयोजित सिंदूर महा रक्तदान यात्रा कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों और उनके ठिकानों को निशाना बनाया और भारत की ओर बुरी नजर रखने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़े। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था।

रक्तदान को बताया 'जीवनदान': राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर जहां देश के साहस का प्रतीक है, वहीं रक्तदान का यह अभियान मानवता और करुणा का उदाहरण है। उन्होंने रक्तदान को 'जीवनदान' और 'महादान' बताते हुए कहा कि विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में काफी प्रगति के बावजूद इंसानी खून का कोई कृत्रिम विकल्प अभी तक नहीं बनाया जा सका है। उन्होंने रक्तदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि आज दिया गया रक्त भविष्य में जरूरतमंद सैनिकों और उनके परिवारों के काम आएगा। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के करीब 1,000 पहलवानों और खिलाड़ियों समेत बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया।

युवाओं से रक्तदान को संस्कृति बनाने की अपील
राजनाथ सिंह ने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्त देने वाला और रक्त पाने वाला, दोनों अपने तरीके से देश की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि 2047 में जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करे, तब देश का लक्ष्य केवल विकसित अर्थव्यवस्था बनना नहीं होना चाहिए।

छात्रों और सरकार के बीच बैठक खत्म, जेपीएससी परीक्षा रद्द करने पर बनी सहमति

रांची/एजेंसी
रांची में छात्रों और सरकार के बीच चल रही बैठक खत्म हो गई है। बैठक में कई अहम मुद्दों पर सहमति बनने की बात सामने आ रही है। हालांकि, बैठक में वास्तव में क्या फैसला हुआ, इसको लेकर सरकार या छात्र पक्ष की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। 14वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करने पर सरकार तैयार!

बैठक में 14वीं जेपीएससी परीक्षा को रद्द करने पर सरकार के तैयार होने की बात सामने आई है। इसके अलावा बैकलॉग परीक्षाओं की जांच कराने और परीक्षा प्रक्रिया में सुधार (रिफॉर्म) करने पर भी सहमति बनने की जानकारी है।

पैसों के लेन-देन की जांच ईडी से कराने पर चर्चा
पूरे मामले में परीक्षा से जुड़े पैसों के लेन-देन की जांच प्रवर्तन निदेशालय से कराने की बात भी बैठक में सामने आई है। इसके अलावा टीडीपीएल एजेंसी की ओर से अब तक संचालित कराई गई परीक्षाओं की भी जांच किए जाने की जानकारी सामने आ रही है।

तीन परीक्षाएं रद्द होने की भी चर्चा
सूत्रों के अनुसार, टीडीपीएल एजेंसी की ओर से संचालित परीक्षाओं में से तीन परीक्षाओं को रद्द करने की बात भी सामने आ रही है।

चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

12 बैटरियां व दो टीवी बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। थाना थरियांव पुलिस ने चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए अंतरजनपदीय गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 12 इस्तेमालशुदा बैटरियां, 43 इंच की एक एलईडी टीवी और एक एलसीडी टीवी बरामद किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त आर्टिका कार भी बरामद हुई, जिसे पुलिस ने एमवी एक्ट की धारा 207 के तहत सीज कर दिया।

पुलिस के अनुसार, चार अगस्त को हसवा स्थित प्राथमिक विद्यालय की दीवार और खिड़की तोड़कर अज्ञात चोरों ने विद्यालय से बैटरी, इन्वर्टर, डीवीआर, एलईडी व एलसीडी टीवी समेत अन्य सामान चोरी कर लिया था। मामले में थाना थरियांव में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी थी। वहीं, तीन अगस्त को थाना सुल्तानपुर घोष क्षेत्र के सैदपुरा स्थित मौर्या आइसक्रीम फैक्ट्री के सामने खड़े ई-रिक्शा से पांच बैटरियां चोरी कर ली गई थीं। इस मामले में भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी थरियांव के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत थरियांव पुलिस ने नौ अगस्त की रात मुखबिर की सूचना पर पक्का तालाब-हसवा मार्ग के पास घेराबंदी की। यहां आर्टिका कार संख्या UP77 AS 4110 में

चोरी का सामान लेकर ग्राहक का इंतजार कर रहे पांच आरोपियों वारिश, नवी कादरी, आदर्श यादव, अरमान और गोरे को गिरफ्तार कर लिया गया।

कार की तलाशी में 12 इस्तेमालशुदा बैटरियां, 43 इंच की एलईडी टीवी और एक एलसीडी टीवी बरामद हुआ। पुलिस ने बरामदगी और आरोपियों की संलिप्तता के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा की बढ़ोतरी की है।

रेकी के बाद वारदात को देते थे अंजाम

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे संगठित रूप से चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। घटना से पहले अरमान, वारिश और नवी कादरी उर्फ मास्टर चोरी वाले स्थान की रेकी करते थे। इसके बाद वारिश या नवी के फोन करने पर आदर्श यादव कानपुर से आर्टिका कार लेकर आता था। गिरोह ने सुल्तानपुर घोष क्षेत्र के सैदपुरा से पांच बैटरियां और अगले दिन थरियांव क्षेत्र के हसवा प्राथमिक विद्यालय से सात बैटरियां, एलईडी-एलसीडी टीवी, इन्वर्टर और डीवीआर कैमरा चोरी करने की बात स्वीकार की है।

पुलिस के मुताबिक, चोरी का सामान गोरे कबाड़ी के माध्यम से बेचने के लिए ले जाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने इन्वर्टर और डीवीआर को तोड़कर फेंक दिया था। चोरी के सामान को बेचने से मिलने वाली रकम को गिरोह के सदस्य आपस में बराबर-बराबर बांट लेते थे। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

डीएम एसएसपी द्वारा पुलिस कांवड़ शिविर का उद्घाटन कर श्रद्धालुओं को फल एवं आवश्यक सामग्री की गयी वितरित

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल को साकुशाल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रुप से थाना बीबीनगर क्षेत्रान्तर्गत स्थापित पुलिस कांवड़ शिविर का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा कांवड़ शिविर में मौजूद श्रद्धालुओं से संवाद कर उनकी यात्रा एवं सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। महोदय द्वारा श्रद्धालुओं को फल, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सामग्री वितरित करते हुए सुरक्षित एवं अनुशासित ढंग से यात्रा संपन्न करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

एसएसपी द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सतत रूप से प्रभावी बनाए रखी जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

भाजपा की जीत का संकल्प लेकर 200 कांवड़ियों का जत्था पहुंचा स्योहारा भाजपा के कार्यकताओं ने की पुष्प वर्षा

लक्ष्य ग्रुप कॉलेज के अध्यक्ष अमित चौहान के नेतृत्व में निकली कांवड़ यात्रा, ठाकुरद्वारा में भाजपा की जीत का किया दावा

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, स्योहारा भाजपा की जीत की कामना और संकल्प के साथ लक्ष्य ग्रुप कॉलेज के अध्यक्ष अमित चौहान अपने पिता एवं मुरादाबाद के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान के साथ करीब 200 कांवड़ियों का जत्था लेकर स्योहारा पहुंचे। कांवड़ यात्रा के दौरान भाजपा की जीत के जयकारे गूंजते रहे। जत्थे में शामिल कांवड़ियों में खासा उत्साह नजर आया।

अमित चौहान ने बताया कि उनके पिता राजपाल सिंह चौहान ठाकुरद्वारा विधानसभा सीट से दो बार भाजपा के प्रत्याशी रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस बार ठाकुरद्वारा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की जीत के संकल्प के साथ करीब 200 लोगों का जत्था कांवड़ लेकर आया है। यात्रा के दौरान भाजपा की जीत के नारे लगाते हुए कांवड़िये आगे बढ़े।

उन्होंने कहा कि ठाकुरद्वारा विधानसभा सीट पर इस बार भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ यह कांवड़ यात्रा निकाली गई है। यात्रा में बड़ी संख्या में युवा और भाजपा समर्थक शामिल रहे। स्योहारा पहुंचने पर कांवड़ जत्थे का लोगों ने उत्साह के साथ स्वागत किया।

राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में मनीष कुमार ने किया स्योहारा का नाम रोशन

10 मीटर इंडिविजुअल स्पर्धा क्वालीफाई कर बने आधिकारिक राज्य स्तरीय शूटर, राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचना लक्ष्य

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। उत्तराखंड राइफल एसोसिएशन की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम बेरखेड़ा निवासी युवा मनीष कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर इंडिविजुअल स्पर्धा क्वालीफाई कर ली। इस उपलब्धि के साथ वह आधिकारिक रूप से राज्य स्तरीय शूटर बन गए हैं। उनकी सफलता से गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

मनीष कुमार शिक्षामित्र जयपाल सिंह के पुत्र हैं। वह देहरादून स्थित ग्राफिक एरा मेडिकल कॉलेज में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत होने के साथ लोकमणि डिग्री कॉलेज स्योहारा से बीएससी की पढ़ाई भी कर रहे हैं। नौकरी और पढ़ाई की व्यस्तता के बावजूद वह प्रतिदिन दो से तीन घंटे शूटिंग का अभ्यास करते हैं।

मनीष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच पूर्व सैनिक दिनेश चंद्र, गुरु एवं मित्र गोविंद त्यागी तथा परिवार को दिया। उन्होंने बताया कि कोच ने शूटिंग की तकनीकी बारीकियों के साथ मानसिक मजबूती पर भी विशेष ध्यान दिया। पिता जयपाल सिंह, माता और पत्नी वर्षा रानी ने भी उन्हें लगातार प्रोत्साहित किया।

कोच दिनेश चंद्र ने मनीष को अनुशासित और मेहनती खिलाड़ी बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मनीष का अगला लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर देश का प्रतिनिधित्व करना और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। उनकी उपलब्धि पर ग्रामीणों, मित्रों और सहकर्मियों ने बधाई दी है।

नए कानून एवं साइबर जागरूकता अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति फेज-5, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को नए आपराधिक कानूनों, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण, साइबर अपराधों से बचाव, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता, महिला हेल्पडेस्क, मिशन शक्ति केंद्र तथा एंटी रोमियो टीम की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1090 (वूमेन पावर हेल्पलाइन), 102 (स्वास्थ्य सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन) एवं 181 (महिला हेल्पलाइन) की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर इनके उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

महिलाओं एवं बालिकाओं के उत्थान, स्वावलंबन व सशक्तिकरण हेतु जनपद में बृहद स्तर पर चलाया गया

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में परित्यक्ता, तलाकशुदा, निराश्रित तथा दहेज उत्पीड़न की शिकार महिलाओं एवं बालिकाओं के उत्थान, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण तथा नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रविवार को जनपद फतेहपुर में विशेष पहल *ह्बहू-बेटी अभियानह्व व्यापक स्तर पर संचालित किया गया।

अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्थानों पर चौपाल, जागरूकता सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो टीमों द्वारा गांवों एवं कस्बों में महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं, आत्मनिर्भरता एवं सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।

अभियान के दौरान परित्यक्ता, विधवा, तलाकशुदा, कामकाजी महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध आदि के संबंध में जानकारी देते हुए बचाव के उपाय एवं उपलब्ध कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया गया।

इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण योजनाओं की जानकारी दी गई। महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–डायल 112, महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, जननी सुरक्षा 102, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एंबुलेंस सेवा 108 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930–के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, जैसे निराश्रित महिला पेंशन योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, नारी शक्ति वंदन योजना, नारी सम्मान-नारी सुरक्षा योजना एवं कन्या सुमंगला योजना के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही विधिक सहायता हेतु फैमिली काउंसलिंग, निःशुल्क विधिक परामर्श एवं नए आपराधिक कानून–भारतीय न्याय संहिता (इठर), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (इठरर) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम (इरअ)-2023–के प्रावधानों के संबंध में जागरूक करते हुए पंपलेट वितरित किए गए।

कावड़ यात्रियों की संख्या बढ़ी: सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए, देशभक्ति झांकियां बनीं आकर्षण का केंद्र

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर, स्योहारा थाना क्षेत्र में सावन के दूसरे सोमवार और मंगलवार को शिवरात्रि के मद्देनजर कावड़ यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हरिद्वार से जल लेकर बड़ी संख्या में पैदल और डाक कावड़ यात्री अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है।

इस वर्ष की कावड़ यात्रा में देशभक्ति का भी अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। कई कावड़ जत्थे तिरंगा लेकर चलरहे हैं, जिनकी आकर्षक झांकियां लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। जिले भर के कई मार्गों पर 'हर हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष गूंज रहे हैं। भव्य कावड़ों पर तिरंगा ध्वज भी सुशोभित है।

कावड़ यात्रियों की सुविधा के लिए जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए हैं, जहां भंडारे चल रहे हैं। इन शिविरों में कावड़ यात्रियों और शिव भक्तों को खाने-पीने की विभिन्न वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पुलिस और प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी भी कई स्थानों पर पानी और फल वितरित करते देखे गए।

सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कावड़ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। कई स्थानों पर यातायात मार्ग भी परिवर्तित (डायवर्ट) किए गए हैं।रविवार को हरिद्वार से जल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ते हुए कावड़ यात्रियों में भोलेनाथ के प्रति गहरी आस्था और समर्पण देखा गया। कुछ श्रद्धालु भोले की मूर्ति को कंधे पर उठाए हुए थे, जबकि अन्य विभिन्न तरीकों से अपनी श्रद्धा व्यक्त कर रहे थे।

लेखपाल ने अवैध निर्माण कर्ताओ के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। महेवा घाट थाना क्षेत्र के अलवारा ग्राम पंचायत के लेखपाल मनोज कुमार ने महेवा घाट थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि ग्राम अलवारा की आ0सं0 446 बंजर खाते की भूमि है। जिसमें ग्राम के निवासी सुग्गन पुत्र रामसखा व राज पुत्र सुग्गन द्वारा मना करने के बावजूद अवैध अतिक्रमण कर पक्की दिवार व सिमेंट की छप्पर डालकर निर्माण कर लिया सुग्गन व राजू को पूर्व मे चकबन्दी लेखपाल व क्षेत्रीय लेखपाल व क्षेत्रीय उपनिरीक्षक की उपस्थित मे निर्माण रोकने व निर्मित दिवाल को गिराने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद भी उपरोक्त दोनो व्यक्तियों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर लोक सम्पत्ति को क्षति पहुंचायी गयी।

दंपति के साथ मारपीट मुकदमा दर्ज

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के अब्दुल्ला गंज निवासी गनेशदीन पुत्र स्व० रामकिशोर ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि दिनांक 8 अगस्त को अपने खेत में अरहर बोया था उसमें बारिश का पानी भर गया था पानी निकालने के लिए नाली बनाकर पानी निकाल रहा था तो गाँव के ही रमेश मिस्त्री पुत्र स्व० गयावल ने पानी का विरोध कर रहा था तो गाँव के महेन्द्र कुमार, बबलू,राजेन्द्र पुत्रगण केशनलाल ने लाठी डण्डा व कुल्हाड़ी लेकर धमका रहे थे तभी मेरा लड़का अमर सिंह ने कहा कि अरे भाई मेरे पिता जी को क्यो गाली गलौज कर रहे हो इतने में उपरोक्त दबंगो ने ललकारा कि इसी को मार डालो जो होगा देख लेगे। जब लड़के की तरफ दौड़े तो डर के मारे घर में घुस गया उपरोक्त दबंगों ने घर के अंदर घुसकर कुल्हाड़ी से सिर पर मार दिया जिससे अमर सिंह बेहोश होकर गिर गया तो पत्नी अपने पति को देखकर रोने लगी तो उपरोक्त लोगो ने बहु को भी लाठी डण्डा से मारा पीटा जिससे बहू के हांथ व पीठ में काफी चोटें आयी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस द्वारा सोलर पैनल को चोरी करने वाले वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पांच दिन पहले थाना खागा पर वादी रघुनाथ सहाय पुत्र स्व0 चन्द्रशेखर प्रसाद नि0 ग्राम हरदो(उत्तरी थोक) थाना खागा जनपद फतेहपुर द्वारा तहरीरी सूचना दी कि दिनांक 04.08.2026 को दोपहर एक बजे हम लोग घर पर नही थे उसी समय मेरे गांव का नरेन्द्र सिंह उर्फ लोलर पुत्र हरिश्चन्द्र सिंह छत लगी मेरी दो सोलर पैनल की चोरी कर ले गया ।

पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी खागा के कुशल नेतृत्व में थाना खागा पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर उक्त घटना से सम्बन्धित अभियुक्त नरेन्द्र सिंह उर्फ लोलर पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी हरदो थाना खागा जनपद फतेहपुर उम्र करीब 21 वर्ष को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी के दो सोलर पैनल बरामद ।

पिपरी पुलिस द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। 18 जून को थाना पिपरी पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी नाबालिग नातिन को आरोपी करन पुत्र रामचन्द्र घर के पीछे ले जाकर निरवस्त्र किया गया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना पिपरी में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । साक्ष्यों के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 65(2) बीएनएस व 5ट/6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी की गयी । रविवार को थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए सर्विलांस/सीडीआर की मदद से मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त करन पुत्र रामचन्द्र पासवान निवासी आलमपुर थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी को तिल्हापुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है ।

भव्य ध्वजारोहण एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर केमिस्ट एसोसिएशन कौशाम्बी द्वारा सिराथू कस्बे में भव्य ध्वजारोहण एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, सदस्य एवं जनपद के दवा व्यवसायी बड़ी संख्या में शिरकत करेंगे।कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संगठन के जिलाध्यक्ष बालाजी केशरवानी एवं महामंत्री अचिन केशरवानी ने बताया कि समारोह की मुख्य अतिथि औषधि निरीक्षक कौशाम्बी माधुरी सिंह होंगी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्राधिकारी सिराथू सत्येंद्र प्रसाद तिवारी मौजूद रहेंगे।आयोजन के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा जिसके बाद राष्ट्रगान और देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसके उपरांत एक संगोष्ठी का आयोजन होगा जिसमें संगठन की एकजुटता, दवा व्यवसायियों के हितों की रक्षा तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन का सदस्यता अभियान अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने जनपद के शेष दवा व्यवसायियों से अपील की है कि वे शीघ्र सदस्यता ग्रहण कर संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करें। पदाधिकारियों का कहना है कि व्यापारियों की समस्याओं का प्रभावी समाधान एकजुटता में ही निहित है।

गरीबी उन्मूलन योजनाओं एवं जनजातीय अधिकारों पर आयोजित हुआ जागरूकता शिविर

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद कौशाम्बी के तत्वावधान में आदर्श कोचिंग सेंटर संत गाडगे मुहल्ला तिल्हापुर गांव चायल कौशाम्बी में एससी/एसटी कल्याण योजनाएं, गरीबी उन्मूलन योजनाएं एवं जनजातीय अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों तथा शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए डॉ. नरेन्द्र दिवाकर ने उपस्थित लोगों को बताया गया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक उत्थान के लिए सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं जैसे केंद्र सरकार की सामाजिक न्याय मंत्रालय की योजनाओं में रउ विद्यार्थियों के लिए प्री/पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, टॉप-क्लास शिक्षा, विदेश छात्रवृत्ति, छात्रावास और कोचिंग जैसी सहायता शामिल हैं। आर्थिक एवं रोजगार संबंधी योजनाएँ प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय

योजना (PM-AJAY), राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम (ठरङ्घ्ऊ) के माध्यम से स्वरोजगार/ऋण सहायता, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण उद्यमिता एवं रोजगार से जुड़ी सहायता संचालित की जा रही हैं। पात्र व्यक्तियों को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों एवं निर्धारित प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

पीएलवी ममता दिवाकर ने महिला एवं बाल कल्याण द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा पेंशन योजना आदि के बारे में संपूर्ण जानकारी दी। सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण गजराज सिंह ने समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए वृद्धावस्था पेंशन, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, छात्रवृत्ति, अनुसूचित जाति छात्रावास, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना तथा अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्रामों के विकास जैसी विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पात्र लाभार्थियों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक होना चाहिए और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करना चाहिए।

पीएलवी अमरदीप दिवाकर ने यह भी बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता, कानूनी सलाह और न्यायालय संबंधी सहायता भी उपलब्ध कराई जा सकती है।

अलविदा :- संघर्ष से लेकर कामयाब जिन्दगी तक का सफर पूरा कर अपने हकीकी माबूद से जा मिले "नसीम जफर"

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! स्योहारा, सांस की लम्बी बीमारी के चलते हुआ वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व सभासद मास्टर नसीम जफर का देहांत, नगर वासियों बुद्धिजीवी, राजनीतिज्ञयो, शिक्षकों,पत्रकारों मे फैली शोक की लहर, सैकड़ो लोग रहे नमाज ए जनाजा में शामिल, नम आंखों के साथ किया गया सुपुर्द ए खाक

समाज सेवा का कूट-कूट कर भरा था नसीम जफर के अंदर समाज सेवा का जज्बा, संघर्ष भरे जीवन मे भी उन्होंने जनता से मुँह नहीं मोड़ा,वह जनता के हर सुख दुख में हमेशा दिन रात काम आते थे जनता ने भी उनके अहसान नहीं भूले स्योहारा के हयातनगर वार्ड से दो बार उन्हें तथा दो बार उनकी पत्नी मोहसीना जफर को,कुल मिलाकर चार बार नगर पालिका परिषद का मेंबर बंनाया, कांग्रेस के दौर मे राजनीति में भी दिल्ली से लेकर लखनऊ तक अच्छी पकड़ रही है

नसीम जफर आसान शब्दों में व्यंग्य करने और हंसने हंसाने में भी महारत रखते थे उनके व्यंग्य और चुटकुले रोते हुए व्यक्ति को हंसने पर मजबूर कर देते थे अपने कद की लंबाई के कारण नसीम जफर की विशेष पहचान रहीं है, प्यार से लोग नसीम जफर(उर्फ लम्बे भैया) भी कहकर पुकारते थे

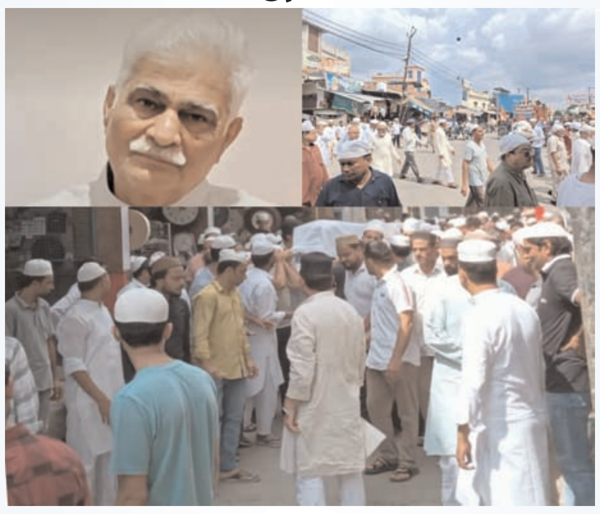

स्योहारा -- "मौत हैं क्या चीज जमाने को समझाऊं क्या, एक मुसाफिर था रास्ते मे नींद आ गई"

उक्त अशआर की पंक्तियों से मतलब निकलता हैं की हमारा दुनिया मे आना एक सफर हैं जिस जानदार ने दुनिया मे जन्म लिया हैं उसके वापस जाने का भी एक दिन तय है जाना तो एक दिन सभी को हैं लेकिन बहुत से लोग ऐसे होते हैं।

जिनके जाने से उनकी कमी पूरी नहीं की जा सकती बल्कि सालो तक उनकी कमी महसूस होती रहती है ऐसे ही लोगो मे थे मास्टर नसीम जफर जिन्होंने अपनी जिंदगी के संघर्ष पूर्ण लम्हों से लेकर खुशहाल पलो तक सफर पूरा कर लम्बी बीमारी चलते इस फानी ए दुनिया को जिंदगी की आखिरी सांस लेकर अलविदा कह दिया

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्योहारा के वरिष्ठ समाज सेवी एवं पूर्व सभासद तथा पूर्व सरकारी प्राइमरी शिक्षक मास्टर नसीम जफर का 9 अगस्त रविवार की सुबह लगभग 3:15 बजे सांस की बीमारी के कारण देहांत हो गया उन्हें जोहर की नमाज के बाद उनकी नमाज ए जनाजा के बाद उनके पैतृक कब्रिस्तान मे सुपुर्द ए खाक कर दिया गया सैकड़ो आम और खास लोग उनकी नमाज ए जनाजा और दफीने मे शामिल रहे।

आपको बताते चले कि नसीम जफर का जीवन अपने परिवार के साथ-साथ हमेशा दूसरों के लिए भी समर्पित रहा

यह पंक्तियां उनके जीवन पर बिल्कुल सटीक बैठती है

" दिल का सूना साज तराना ढूंढेगा, मुझको तेरे बाद जमाना ढूंढेगा।"

स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के त्याग और बलिदान को देश सदैव याद रखेगा: मंजू मौर्य

शांतिपुरम में धूमधाम से मनाया गया अगस्त क्रांति दिवस

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र के शांतिपुरम स्थित लेबर चौराहा पर रविवार को अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों और वीर सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले सेनानियों के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का आयोजन मंजू मौर्य, प्रभारी फाफामऊ विधानसभा, प्रदेश महासचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ एवं सदस्य भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ, भारत के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के त्याग और बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। मुख्य अतिथि के रूप में जिला गंगापार अध्यक्ष अशफाक अहमद उपस्थित रहे।

इस अवसर पर फाफामऊ विधानसभा के प्रभारी एवं उत्तर प्रदेश महासचिव सुनील पांडे, अमर बहादुर पटेल, धर्मेंद्र मौर्य, आदित्य पांडेय (श्रृंगवेरपुर ब्लॉक अध्यक्ष), अफजाल अहमद, मुदस्सिर खान, अमित, अजय यादव और धर्मेंद्र कुशवाहा समेत कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने अगस्त क्रांति के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने युवाओं से स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को अपनाने और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

एक लाख का इनामी गैंगस्टर सुनील भारतीया गिरफ्तार

फाफामऊ में जय गुरुदेव आश्रम के पीछे बेला कछार से एसटीएफ ने दबोचा, चोरी-लूट के दस मुकदमे हैं दर्ज

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। एसटीएफ ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक लाख रुपये के इनामी गैंगस्टर सुनील कुमार भारतीया उर्फ गुंगे को गिरफ्तार कर लिया। वह फाफामऊ थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में करीब एक साल से वांछित चल रहा था। उसके खिलाफ फाफामऊ और जीआरपी थाने में चोरी व लूट समेत दस मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ ने आरोपी को फाफामऊ पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

एसटीएफ अधिकारियों के मुताबिक, रविवार सुबह मुखबिर से सूचना मिली कि सुनील फाफामऊ क्षेत्र में जय गुरुदेव आश्रम के पीछे बेला कछार की ओर मौजूद है। सूचना पर टीम ने घेराबंदी की और सुबह करीब 8:45 बजे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में सुनील ने बताया कि वह वर्ष 2019 से अपने साथियों के साथ चोरी और लूट की वारदातों में शामिल रहा है। उसके खिलाफ फाफामऊ थाने और जीआरपी में इन घटनाओं से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं। वह पूर्व में जेल भी जा चुका है।

एसटीएफ के अनुसार, वर्ष 2025 में सुनील और उसके एक साथी के खिलाफ फाफामऊ थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही वह फरार चल रहा था। लंबे समय से गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। रविवार को सूचना मिलने के बाद एसटीएफ ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

तीन दशकों से अनकहे सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश है 'चूजिंग गोल्ड' : डॉ. सौरभ गाडगिल

कानपुर। अपने जीवन के अधिकांश समय में मैं इस यात्रा को जीने में इतना व्यस्त रहा कि कभी रुककर इसे समझने और परखने का अवसर नहीं मिला। ह्यचूजिंग गोल्डह्ल लिखते समय मैंने करीब तीन दशकों से अनकहे रह गए सवालों, अपने फैसलों, असफलताओं और उन छोटे-छोटे पलों को समझने की कोशिश की, जिन्होंने मेरे व्यक्तित्व और नेतृत्व को आकार दिया। यह बातें रविवार को पीएनजी ज्वेलर्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ गाडगिल ने कहीं।

पीएनजी ज्वेलर्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ गाडगिल की पहली पुस्तक ह्यचूजिंग गोल्डह्ल का विमोचन किया गया। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक सिर्फ एक कारोबारी सफर का दस्तावेज नहीं, बल्कि परिवार की विरासत, व्यक्तिगत संघर्ष, फैसलों और उनसे मिली सीख की कहानी है।

पीएनजी ज्वेलर्स की 194 वर्ष पुरानी कारोबारी विरासत के बीच डॉ. गाडगिल ने कम उम्र में जिम्मेदारी संभाली। पुस्तक में उन्होंने उस दौर से लेकर वर्तमान तक के सफर को बेहद व्यक्तिगत अंदाज में सामने रखा है। इसमें दादा और मां के साथ हुई बातचीत, जीवन में मिले महत्वपूर्ण सुझाव, कठिन परिस्थितियों में लिए गए फैसले और असफलताओं से मिली सीख को शामिल किया गया है। डॉ. गाडगिल ने कहा कि कई बार जीवन के बड़े फैसलों से ज्यादा वे छोटे-छोटे क्षण व्यक्ति को गढ़ते हैं, जिनका महत्व उस समय समझ में नहीं आता। कोई बातचीत, कोई असफलता या वर्षों पहले मिली कोई सलाह बाद में जीवन की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित होती है।

सीडीओ ने हर घर तिरंगा अभियान का भव्य शुभारंभ, निकाली गई तिरंगा रैली

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। हर घर तिरंगा अभियान-2026 का शुभारंभ आज अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थल से भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम चंद्रशेखर आजाद पार्क के गेट नंबर-1 से तिरंगा रैली निकाली गई। रैली को मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

तिरंगा रैली के अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थल पर पहुंचने के उपरांत अतिथियों एवं उपस्थित लोगों द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर संस्कृति विभाग के पंजीकृत कलाकार सुजाता केसरी एंड कंपनी द्वारा देशभक्ति एवं सांस्कृतिक भावनाओं से ओत-प्रोत मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। कलाकारों द्वारा ह्लहमारे देशवा सोनवा के चिरैयाह्ल, ह्लमोरे झूलनी के छैयाह्ल, ह्लबलम दुपहरिया बिताई द होह्ल, ह्लमेरे झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, राम आएंगेह्ल आदि प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा हर घर तिरंगा थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जनपद के प्रमुख विद्यालयों, जिनमें मेरी वाना मेकर, जीजीआईसी कटरा एवं बेसिक विद्यालय चौक के छात्राओं ने आकर्षक एवं भव्य रंगोलियां बनाकर देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रयागराज नगर निगम के महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश को आजादी दिलाने के लिए असंख्य नौजवानों एवं क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उन महान क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शहादत को याद करने तथा उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के लिए हमारे वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध निरंतर संघर्ष किया और अंततः देश को अंग्रेजी शासन से मुक्ति दिलाई। हमें उनके त्याग, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।

बांदा में दो नाबालिग बहनों से सामूहिक दुष्कर्म, कोर्ट के आदेश पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में बबेरू थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में मानवता को शर्मसार करने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) बांदा के आदेश पर रविवार को गैंग रेप के तीन आरोपितों के खिलाफ पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामला एक पारिवारिक शादी समारोह से लौट रही दो नाबालिग बहनों के साथ सामूहिक दुष्कर्म और मारपीट का है।

थाना बबेरू अंतर्गत एक गांव निवासी व्यक्ति ने दी तहरीर में बताया कि घटना इसी साल 13 मई की दोपहर करीब 12.30 बजे की है। उसकी 14 वर्षीय और 17 वर्षीय दोनों नाबालिग बेटियां एक पारिवारिक शादी वाले घर से उपहार का सामान देकर वापस अपने घर लौट रही थीं।

रास्ते में घात लगाए बैठे युवक रमेश, बब्बू और दीनदयाल ने दोनों बहनों को रास्ते में रोक लिया। आरोपितों ने दोनों लड़कियों को जमीन पर पटक दिया और उनके साथ अश्लील हरकतें की। किसी तरह जान बचाकर दोनों बहनें भागकर अपने घर पहुंचीं तो शोहदों ने घर में घुसकर दोनों के साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान जमीन पर पटकने और खींचतान के कारण लड़कियों को गंभीर चोटें भी आईं।

लड़कियों के शोर मचाने पर जब आसपास के रिश्तेदार और मोहल्लेवासी इकट्ठा होने लगे, तो तीनों आरोपित किसी से भी घटना का जिक्र करने या पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के काफी समय बाद न्यायालय के आदेश पर रविवार को इस मामले में थाना बबेरू में अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विद्युत विभाग की टीम के साथ हाथापाई और फायरिंग के मामले में आरोपित शक्ति सिंह गिरफ्तार

मुरादाबाद। मुरादाबाद जिले के थाना भगतपुर क्षेत्र के गांव खैरखाता में बिजली का फॉल्ट ठीक करने पहुंची विद्युत विभाग की टीम के साथ हाथापाई और फायरिंग के मामले में थाना पुलिस टीम ने रविवार रात्रि में एक आरोपित शक्ति सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

थाना भगतपुर क्षेत्र के सरकड़ा खास बिजलीघर पर तैनात अवर अभियंता राजेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि शुक्रवार को उपभोक्ताओं की शिकायत पर वह विभागीय कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों के साथ गांव खैरखाता में बिजली का फॉल्ट ठीक करने पहुंचे थे। आरोप है कि मौके पर पहुंचते ही वहां मौजूद लोगों ने टीम के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

इसके बाद सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए टीम के सदस्यों के साथ हाथापाई की गई। तहरीर के अनुसार, इसी दौरान भोपाल सिंह तमंचा लेकर मौके पर पहुंचा और टीम को जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। गोली चलने से मौके पर अफरातफरी मच गई। हालांकि गोली किसी को नहीं लगी और टीम के सदस्य बाल-बाल बच गए। अवर अभियंता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी।

कांग्रेस और सपा ने युवाओं के लिए नहीं किया कोई काम: मुख्यमंत्री योगी

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनपद के बांसी विधानसभा स्थित रतन सेन इंटर कालेज के प्रांगण में 311 करोड़ की लागत से 107 परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में कांग्रेस और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकारें रही और दोनों ने युवाओं के लिए क्या किया है, यह सभी जानते हैं।साल 2017 से पहले यहां का युवा जब दूसरे राज्यों में जाता था तो अपनी पहचान बताने से बचता था। क्योंकि उत्तर प्रदेश की पहचान गुंडागर्दी, माफिया और खराब कानून व्यवस्था से थी। सपा सरकार में प्रदेश में माफिया का प्रभाव था। हर जिले में एक माफिया तथा हर तहसील व थाने में एक माफिया का कब्जा रहता था। गरीबों की जमीन पर कब्जा कर लिया जाता था। कांग्रेस के शासन में देश में भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद का माहौल बना।भाजपा की सरकार आई तो सब कुछ बदल गया।

हमारी सरकार ने पिछले 9 वर्षों में 9 लाख युवाओं को बिना भेदभाव के नौकरी दिया। वर्ष 2017 से पहले सपा सरकार कांवड़ यात्रा भी नहीं निकलने देती थी। भाजपा सरकार ने कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा देते हुए उनके स्वागत की भी व्यवस्था

किया। अब यूपी में कर्फ्यू और दंगा नहीं है। हर व्यक्ति अपने रोजी रोटी में लगा है। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। सभी त्योहार शांतिपूर्ण सम्पन्न हो रहे हैं। लम्बे समय तक शासन करने वालों ने क्रांतिकारियों के योगदान को भी उचित सम्मान नहीं दिया।

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काकोरी ट्रेन ऐक्शन कर क्रांतिकारियों को सम्मान देने का कार्य किया। जबकि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए हमेशा देश को जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बांटने की राजनीति की।

उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर अब आकांक्षी जनपद नहीं बल्कि विकास की दौड़ में आगे निकल रहा है। यहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी परियोजनाओं को गति दी जा रही है। गोरखपुर से सिद्धार्थनगर होते हुए बड़े आर्थिक कॉरिडोर और अन्य राष्ट्रीय मार्गों से जिले को जोड़ने की कोशिश हो रही है। यहां मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट के तहत काला नमक चावल को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कपिलवस्तु में बुद्ध थींम पार्क और विपश्यना केंद्र के लिए भी काम किया जा रहा है। प्रदेश में शीघ्र ही युवाओं के लिए नीति लाई जाएगी। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वर्चुवल और फिजिकल क्लास की व्यवस्था होगी।

कार्यक्रम में सांसद जगदम्बिका पाल, पूर्व मंत्री जय प्रताप सिंह, विधायक श्याम धनी राही व विनय वर्मा तथा ध्रुव त्रिपाठी के अलावा सुभाष यदुवंश एवं पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी व पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, पिछड़ा वर्ग के क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवनाथ चौधरी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विधायक जय प्रताप सिंह के आवास पर भी गए।

पांच बच्चों की मां बहनोई के साथ हुई फरार, पति ने पुलिस से लगाई कार्रवाई की गुहार

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज, प्रयागराज। स्थानीय कस्बे के इमामगंज मोहल्ले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पांच बच्चों की मां अपने ही बहनोई के साथ घर से चली गई। महिला अपने साथ पांचों बच्चों को भी लेकर गई है। पत्नी और बच्चों के अचानक घर से चले जाने के बाद पति परेशान है। उसने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर पत्नी व बच्चों की तलाश कराने तथा मामले में आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के मुताबिक, महिला और उसके बहनोई के बीच काफी समय से कथित प्रेम-प्रसंग चल रहा था। बताया जा रहा है कि कथित प्रेम-प्रसंग जब परवान चढ़ा तो महिला अपने पांचों बच्चों को साथ लेकर बहनोई के साथ घर से चली गई। घटना की जानकारी होने के बाद पति ने काफी खोजबीन की, लेकिन पत्नी और बच्चों का पता नहीं चल सका। इसके बाद पीड़ित पति ने मामले की जानकारी पुलिस को देते हुए तहरीर सौंपकर पत्नी और बच्चों की तलाश कराने तथा मामले में आवश्यक कार्रवाई की मांग की। तहरीर मिलते ही पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। पुलिस महिला और बच्चों की तलाश करने के साथ ही तहरीर में लगाए गए आरोपों की भी जांच कर रही है।

विधायक ने आवास पर सुनी जनसमस्याएं

अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। फू ल ा प ा ु र विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक दीपक पटेल ने रविवार को अपने आवास पर जनसुनवाई कर क्षेत्रीय नागरिकों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों व शहरवासियों ने बिजली, पानी, सड़क, पेंशन तथा राजस्व विभाग से जुड़ी अपनी-अपनी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं।

विधायक दीपक पटेल ने एक-एक कर सभी फरियादियों की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना और मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को दूरभाष पर दिशा-निर्देश दिए। विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि विधायक दीपक पटेल ने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी तरह की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

"क्षेत्र की जनता की सेवा करना और उनकी हर समस्या का त्वरित व पारदर्शी समाधान कराना हमारी प्राथमिकता है। सरकार की मंशा है कि आम नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिले और उन्हें किसी भी काम के लिए चक्कर न लगाने पड़ें।13 समस्याओं का विधायक ने मौके पर ही निस्तारण कराया।

सड़क हादसे में महिला की मौत

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, हल्दौर नगर स्थित मौहल्ला खेड़ा निवासी प्रशांत कुमार 25 वर्ष पुत्र बाबूराम अपनी मां सुमन उम्र करीब 55 वर्ष के साथ मोटरसाइकिल रिक्शा से बिजनौर दवाई लेने जा रहे थे।

थाना कोतवाली शहर क्षेत्र के नूरपुर रोड पर महिंद्रा शोरूम के निकट महिला का दुपट्टा पहिये में फंस गया जिससे सुमन की धड़ से गर्दन अलग होकर दुखद मौत हो गई। जिससे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। परिजनों में

कोहराम मच गया वहीं मौहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल मोर्चरी बिजनौर भिजवा दिया गया। ज्ञात रहे कि प्रशांत बाइक रिक्शा जुगाड से मेहनत मजदूरी करता है अपने इस वाहन से शनिवार को बिजनौर से दवाई लेने जा रहे थे कि अचानक उसकी माता सुमन का दुपट्टा पहिये में फँस गया जिससे उसके गर्दन धड़ से अलग हो गये और उसकी मौके पर मौत हो गई।

उमर के काफिले के 25 वाहनों ने तोड़े टोल बैरियर, कर्मचारियों को कुचलने का प्रयास

नवाबगंज टोल प्लाजा पर बिना शुल्क दिए निकलने का आरोप, रोकने पर गालीगलौज और जान से मारने की धमकी; सहायक प्रबंधक की तहरीर पर एफआईआर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पैरोल पर प्रयागराज लाए गए माफिया अतीक अहमद के बेटे उमर अहमद के काफिले में शामिल 20-25 वाहनों के चालकों के खिलाफ नवाबगंज थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि काफिले में शामिल वाहन नवाबगंज टोल प्लाजा पर बिना टोल शुल्क दिए बैरियर तोड़कर निकल गए। वाहनों को रोकने का प्रयास करने पर टोल कर्मचारियों से गालीगलौज और अभद्रता की गई। आरोप है कि कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी देते हुए वाहनों से कुचलने का भी प्रयास किया गया।

टोल प्लाजा के सहायक प्रबंधक जयप्रकाश यादव ने नवाबगंज थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने पुलिस को बताया कि शनिवार दोपहर करीब 3:45 बजे उमर अहमद को पुलिस स्कार्ट के साथ लखनऊ से प्रयागराज लाया जा रहा था। पुलिस के वाहन टोल बूथ नंबर तीन से निकलने के बाद पीछे से करीब 20-25 वाहन एक साथ टोल प्लाजा पहुंचे।

आरोप है कि काफिले में शामिल वाहनों के चालकों ने टोल शुल्क दिए बिना तेज रफ्तार में बैरियर तोड़कर वाहन निकालने शुरू कर दिए। टोल कर्मचारियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो चालकों ने गालीगलौज और अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

एफआईआर के मुताबिक, इसके बाद वाहन चालकों ने तेज रफ्तार से वाहन आगे बढ़ाए और कर्मचारियों को कुचलने का प्रयास किया। जान बचाने के लिए कर्मचारियों को किसी तरह किनारे हटना पड़ा। आरोप है कि इसके बाद काफिले में शामिल वाहन बिना टोल शुल्क दिए प्रयागराज की ओर निकल गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

अखिलेश की फिल्म धुरंधर पर नाराजगी के सियासी मायने

सिनेमा और राजनीति का रिश्ता हमेशा से गहरा रहा है, लेकिन जब परदे की कहानियां सीधे तौर पर चुनावी मैदान के समीकरणों और राजनीतिक दलों के इतिहास को प्रभावित करने लगें, तो सियासत गरमाना लाजिमी है। हाल ही में रिलीज हुई बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल करने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। अखिलेश यादव ने इस फिल्म को सीधे तौर पर एक सरकारी प्रोपेगेंडा करार देते हुए यह तक कह दिया है कि भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इस पूरे मामले की गहन जांच कराई जाएगी। आखिर क्या वजह है कि एक कमर्शियल फिल्म पर सूबे के इतने बड़े राजनेता को इतनी कड़ी आपत्ति जतानी पड़ी और क्यों उन्होंने सरकार बनने पर जांच की बात कहकर राजनीतिक दांव चला है, इसे वर्तमान और अतीत के राजनीतिक घटनाक्रम के आईने में आसानी से समझा जा सकता है।

इस पूरे विवाद की जड़ में वह किस्सा है जिसका इस्तेमाल हालिया दौर के राजनीतिक नैरेटिव को गढ़ने के लिए किया जा रहा है। दरअसल, फिल्म धुरंधर और इसके सीक्वेंस में पूर्वांचल के एक चर्चित माफिया डॉन के किरदार और उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा आतंकी संगठनों के साथ संबंधों को परदे पर दिखाया गया है। यह किसी से छिपा नहीं है कि उक्त माफिया राजनेता अतीत में समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा तक पहुंच चुका था। राजनीतिक विरोधियों ने इस सिनेमैटिक प्लॉट का इस्तेमाल तुरंत समाजवादी पार्टी को घेरने के लिए हथियार के रूप में करना शुरू कर दिया। राजधानी लखनऊ की सड़कों पर लगे उन पोस्टरों और विज्ञापनों ने आग में घी का काम किया, जिनमें सपा के पुराने शासनकाल की तुलना फिल्म के काल्पनिक और अराजक ह्यराजह्व से कर दी गई। जब किसी दल के पूरे राजनीतिक अतीत, उसकी कार्यप्रणाली और पुराने दौर के दागों को बड़े परदे के जरिए जनमानस के बीच इस तरह परोसा जाए कि सीधा संबंध किसी खास दल से जुड़े होने का आभास हो, तो दल के मुखिया के लिए उस पर प्रतिक्रिया देना राजनीतिक मजबूरी बन जाता है।

अखिलेश यादव का यह आक्रामक रुख महज एक फिल्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत भाजपा सरकार पर विपक्षियों की छवि धूमिल करने के लिए सरकारी तंत्र और संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया जाता रहा है। अखिलेश ने यह सवाल उठाकर कि इस तरह के फिल्म निर्माण में भारी-भरकम पैसा कहां से आ रहा है और कौन लोग इसके पीछे हैं, एक तीर से कई निशाने साधे हैं। उनका यह बयान इस बात का प्रतीक है कि समाजवादी पार्टी अब वैचारिक और सांस्कृतिक मोर्चे पर भी आक्रामक तेवर अपनाने से पीछे नहीं हटेगी। जब राजधानी में विपक्षी खेमे द्वारा लगातार ऐसे पोस्टर चस्पा किए जाएं जो पार्टी के पुराने शासनकाल को अपराध और अंडरवर्ल्ड के गठजोड़ के रूप में चित्रित करें, तो पार्टी अध्यक्ष के तौर पर अखिलेश यादव के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह इन हमलों को सिर्फ जुबानी जमाखर्च से न टालें, बल्कि भविष्य की सत्ता का विश्वास दिलाकर अपने कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा रखें और विरोधियों को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दें।

सरकार बनने पर फिल्म निर्माण और इसके वित्तपोषण की जांच कराए जाने की बात कहकर अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के समर्थकों और कैडर को भी एक कड़ा संदेश दिया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातिगत समीकरणों, कानून-व्यवस्था के मुद्दों और ब्राह्मणों के उत्पीड़न जैसे अन्य समकालीन मुद्दों के बीच, ह्यधुरंधरह्व जैसी फिल्मों के जरिए बन रहे नैरेटिव को काउंटर करना समाजवादी पार्टी के लिए अस्तित्व की लड़ाई जैसा बन गया है। अखिलेश भली-भांति समझते हैं कि यदि जनता के बीच इस प्रोपेगेंडा का माकूल जवाब समय रहते नहीं दिया गया, तो यह उनकी पार्टी की सेक्युलर और प्रगतिशील छवि को नुकसान पहुंचा सकता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की धीमी रफ्तार और भारत की चुनौतियां

महेन्द्र तिवारी

वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्तमान में एक ऐसे दोराहे पर खड़ी है जहां अनिश्चितता ही एकमात्र निश्चितता प्रतीत होती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा जुलाई 2026 में जारी किए गए नवीनतम विश्व आर्थिक आउटलुक अपडेट ने वैश्विक विकास और भविष्य की आर्थिक संभावनाओं पर एक गंभीर विमर्श को जन्म दिया है। वर्ष 2026 के लिए वैश्विक विकास दर के अनुमान को घटाकर केवल तीन प्रतिशत किया जाना कोई सामान्य या छोटी घटना नहीं है। यह आंकड़ा इसी साल अप्रैल में जारी किए गए तीन दशमलव एक प्रतिशत के अनुमान से कम है। यद्यपि संस्था को वर्ष 2027 में विकास दर के तीन दशमलव चार प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन यह सुधार भी महामारी से पहले के वर्षों या 2024 और 2025 के औसत से काफी नीचे रहने वाला है। यह गिरावट किसी अचानक आई भयानक मंदी का संकेत तो नहीं देती, लेकिन यह इस बात की स्पष्ट चेतावनी अवश्य है कि विश्व अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित वृद्धि क्षमता लगातार कमजोर हो रही है। इस परिदृश्य को और भी अधिक चिंताजनक बनाने का काम विश्व बैंक का आकलन करता है।

विश्व बैंक का अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से भी अधिक निराशावादी है। विश्व बैंक ने 2026 के लिए वैश्विक वृद्धि दर मात्र दो दशमलव पांच प्रतिशत रहने की आशंका जताई है। इन दोनों प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के अनुमानों में यह अंतर इस बात को दशार्ता है कि वैश्विक स्तर पर वर्तमान आर्थिक जोखिमों का प्रभाव अत्यंत गहरा और दीर्घकालिक होने वाला है, जो विकासशील और विकसित देशों की संरचनात्मक जड़ों को हिला रहा है। इस आर्थिक सुस्ती और विकास दर में गिरावट के पीछे कई जटिल और बहुआयामी कारण छिपे हैं। इनमें सबसे प्रमुख कारण मध्य पूर्व में जारी गहराता भू राजनीतिक संघर्ष और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न हो रहा भारी ऊर्जा संकट है। दुनिया के इस संवेदनशील हिस्से में तनाव लगातार बढ़ रहा है। इसका सीधा असर तेल की वैश्विक आपूर्ति, समुद्री परिवहन और माल ढुलाई के बीमा की भारी लागत पर पड़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण और संकरे समुद्री व्यापारिक मार्गों पर यदि कोई भी बड़ा व्यवधान उत्पन्न होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है। कच्चे तेल के महंगा होने का सीधा अर्थ यह है कि पूरी दुनिया में उत्पादन, विनिर्माण और परिवहन की लागत तेजी से बढ़ जाएगी। जो देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पूरी तरह से आयात पर निर्भर हैं, उनके लिए यह स्थिति और भी भयावह होगी।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इस गंभीर खतरे को भांपते हुए 2026 के लिए वैश्विक महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर चार दशमलव सात प्रतिशत कर दिया है, जो पिछले अनुमानों से कहीं अधिक है। महंगाई का यह भारी दबाव दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों को अपनी ब्याज दरों में कटौती करने से रोकेगा, जिससे बाजार में तरलता घटेगी और औद्योगिक विकास की गति और भी धीमी हो जाएगी।

आर्थिक विकास को बाधित करने वाला दूसरा सबसे बड़ा और खतरनाक कारक वैश्विक व्यापार का विखंडन है।

मुखर योगी और अखिलेश की सियासी कसमकस

संजय सक्सेना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग जीवन भर बच्चे ही बने रहते हैं। बबुआ भी यही करते थे। वो दोपहर 12 बजे सो कर उठते थे। दो बजे तैयार होते थे। पांच बजते-बजते उनके जिम जाने का समय हो जाता था और शाम 7 बजे महफिल सज जाती थी। देश-प्रदेश के बारे में सोचने के लिए उनके पास समय ही कहां होता था। प्रदेश की कानून-व्यवस्था का हाल तो ये था कि महिलाओं को सबसे बड़ा खतरा इन्हीं सपाइयों से ही था। मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब सरकारें प्रदेश के विकास के लिए काम करती हैं तो उसका लाभ समाज के हर तबके को मिलता है।दरअसल, अखिलेश यादव आजकल कोई भी बात सीधे नहीं कहते हैं। उनकी भाषा में तंज ज्यादा और साफगोई कम नजर आती है। वह जो भी मुद्दे उठाते हैं, उसमें भी वह अपने सियासी फायदे पर ज्यादा ध्यान देते हैं। हर घटना का नाटकीय रूपांतरण कर देते हैं। चंदा चोरी में भी यही देखने को मिल रहा है। उनके सांसद और नेता हर जगह कथित रूप से दानपात्र लेकर हर जगह दिखाई पड़ने लगे हैं। आजकल अखिलेश ने सॉफ्ट हिन्दुत्व के चक्कर में मुस्लिम वोट बैंक की सियासत को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इस पर ओवैसी उन पर हमेशा हमलावर रहते हैं। वहीं कुछ मुसलमान तो यहां तक कहते हैं कि अखिलेश ने जिस धर्म में जन्म नहीं लिया, वह उसके नहीं हुए तो हमारे क्या होंगे। यही बात ओवैसी भी मुसलमानों को समझाने में लगे हैं। अखिलेश के पीडीए का भी यही हाल है। कभी वह पीडीए को पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक बताते हैं तो कभी पीडीए का मतलब पिछड़ा-दलित और ए का मतलब आधी आबादी बताने लगते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पीडीए में पीडी को पंडितों का शॉर्ट फॉर्म बता दिया। बात-बात पर उनके जनप्रतिनिधि संसद से लेकर विधानसभा तक हंगामा खड़ा कर देते हैं। लोकतंत्र के मंदिर में प्रदर्शन करते हैं। हाल यह है कि कोई पत्रकार उनसे सख्त सवाल पूछ लेता है तो वह उसे गोदी मीडिया और बीजेपी वाला बता देते हैं।

दुखद यह है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग का स्तर लगातार गिरता और नया रूप ले रहा है, जहां व्यक्तिगत बयानों से लेकर रणनीतिक बदलावों तक हर बात पर सूबे की सियासत गरमाई हुई है। हाल ही में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर किया गया करारा तंज इस राजनीतिक उथल-पुथल का ताजा उदाहरण है। इस बयान के साथ-साथ अखिलेश यादव की बदलती कार्यशैली, सॉफ्ट हिंदुत्व के समीकरण और उनके पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक/आधी आबादी) फॉमूर्ले पर उठ रहे सवाल उत्तर प्रदेश के राजनीतिक भविष्य के लिए बहुत कुछ संकेत देते हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव की कार्यशैली और दिनचर्या पर सीधा कटाक्ष करते हुए उनकी राजनीतिक गंभीरता पर सवाल खड़े किए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग जीवनभर बच्चे ही बने रहते हैं और बबुआ कहकर संबोधित करते हुए उनकी दिनचर्या का मजाक उड़ाया। मुख्यमंत्री के अनुसार, दोपहर 12 बजे सो कर उठना, दो बजे तैयार होना, पांच बजे जिम जाना और शाम सात बजे महफिल सजाना एक जननेता की पहचान नहीं हो सकती है। इस प्रकार के बयानों के जरिए सत्ता पक्ष जनता के बीच यह संदेश देने की कोशिश करता है कि विपक्ष के नेता जमीनी हकीकत, जनता के दुखों और प्रदेश के विकास के प्रति गंभीर नहीं हैं। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था के मुद्दे को जोड़ते हुए योगी आदित्यनाथ ने पिछली सपा सरकार के कार्यकाल को याद दिलाया और आरोप लगाया कि उस दौरान महिलाओं को सबसे बड़ा खतरा सपाइयों से ही था। यह राजनीतिक बयानबाजी केवल व्यक्तिगत हमला नहीं है, बल्कि यह भाजपा की उस स्थापित रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह विपक्ष को ह्वविशेषाधिकार प्राप्तह्व और ह्वजमीनी हकीकत से कटे हुएह्व वर्ग के रूप में चित्रित करती है।

उधर, अखिलेश यादव की वर्तमान राजनीतिक रणनीति में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है, जिसे कई राजनीतिक विश्लेषक सॉफ्ट हिंदुत्व की ओर झुकाव मान रहे हैं। इस चक्कर में ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने पारंपरिक मुस्लिम वोट बैंक को लेकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है या उसे कुछ हद तक ठंडे बस्ते में डाल दिया है। यही कारण है कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी लगातार अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर हमलावर रहते हैं। ओवैसी और समुदाय के कुछ आलोचकों का यह तर्क तेजी से जमीन पकड़ रहा है कि जो नेता अपने मूल धार्मिक और वैचारिक दायरे में स्पष्ट नहीं है, वह दूसरों के लिए कितना वफादार साबित होगा। मुस्लिम समाज के एक वर्ग में यह भावना घर कर रही है कि सपा केवल चुनावों के वक्त उनके वोटों का इस्तेमाल तो करती है, लेकिन उनके वास्तविक मुद्दों पर खुलकर सामने आने से बचती है। यह असमंजस समाजवादी पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है, क्योंकि पारंपरिक मुस्लिम-यादव (एम-वाई) समीकरण ही पार्टी की राजनीतिक ताकत का मुख्य आधार रहा है।अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी को मजबूत करने के लिए पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का नया राजनीतिक मंत्र गढ़ा था, लेकिन इसके बार-बार बदलते अर्थों ने राजनीतिक गलियारों में भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है।

कभी ए का मतलब अल्पसंख्यक बताया जाता है, तो कभी इसे आधी आबादी (महिलाएं) से जोड़ा जाता है।

हाल ही में पीडी के दायरे में पंडित (सवर्ण वर्ग) को शामिल करने के संकेतों ने इस फॉमूर्ले की वैचारिक स्पष्टता पर ही सवालिया निशान लगा दिया है। जबकि हो यह है कि जब किसी राजनीतिक नारे या समीकरण का दायरा बहुत अधिक फैला दिया जाता है, तो उसका मूल वैचारिक उद्देश्य कमजोर पड़ने लगता है। पिछड़ों और दलितों के अधिकारों की बात करने वाली पार्टी यदि अचानक सवर्ण जातियों को भी इसी खेमे में फिट करने की कोशिश करती है, तो इससे मूल कार्यकताओं के बीच भ्रम फैलता है। आलोचकों का मानना है कि यह सब केवल तात्कालिक चुनावी नफा-नुकसान को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, जिसमें दूरगामी वैचारिक दृढ़ता का अभाव साफ झलकता है। इतना ही नहीं, अखिलेश यादव की राजनीतिक शैली में अब आक्रामकता और तंज की प्रधानता बढ़ गई है। वह किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर सीधी बात करने के बजाय सियासी नफा-नुकसान को तरजीह देते हैं। इसके साथ ही, हालिया दौर में उनके जनप्रतिनिधियों द्वारा संसद से लेकर विधानसभा तक किए जाने वाले हंगामे और लोकतांत्रिक मयार्दाओं की सीमाओं को लांघने की प्रवृत्ति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जब मीडिया द्वारा उनसे कोई कड़े या तीखे सवाल पूछे जाते हैं, तो उसे गोदी मीडिया या भाजपा का प्रवक्ता कहकर टाल देना राजनीतिक परिपक्वता का परिचायक नहीं माना जाता है। एक बड़े राजनीतिक दल के मुखिया से यह अपेक्षा की जाती है कि वह आलोचनाओं का सामना तर्कों के साथ करे, न कि उन्हें खारिज करके। यह प्रवृत्ति यह दशार्ती है कि विपक्ष असहज करने वाले सवालों से बचने का रास्ता तलाश रहा है, जो लोकतांत्रिक संवाद के लिहाज से स्वस्थ परंपरा नहीं है। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह मुकाबला केवल दो दलों की वैचारिक लड़ाई नहीं, बल्कि कार्यशैली, विश्वसनीयता और बदलते समीकरणों की एक लंबी और जटिल शतरंज की चाल बन चुका है।

बदलता संघ और बदलता युवा: संघ प्रमुख मोहन भागवत का जेन-जी के नाम संदेश

अशोक भाटिया

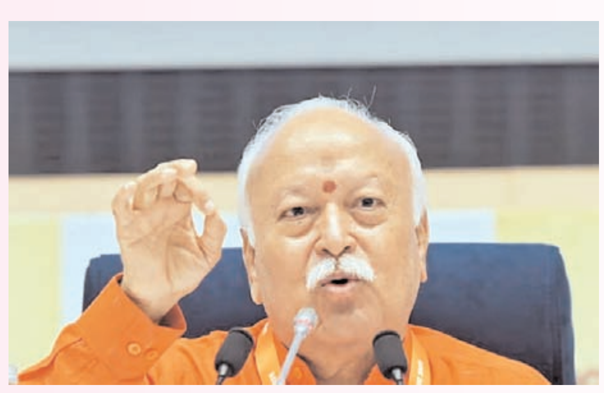

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परंपरा, अनुशासन और प्राचीन मूल्यों को सर्वोपरि रखने के लिए जाना जाता है। ऐसे में जब संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत समकालीन युवा पीढ़ी–जिन्हें जेन-जी और जेन-अल्फा कहा जाता है–के पक्ष में खुलकर खड़े होते हैं, तो यह भारतीय विमर्श में एक युगांतरकारी मोड़ का संकेत है। हाल ही में संघ प्रमुख ने जिस बेबाकी और संवेदनशीलता के साथ युवाओं की सोच, उनके अधिकारों, उनके विरोध प्रदर्शनों और उनकी देशभक्ति का समर्थन किया है, उसने देश के नीति-निमार्ताओं और पुरानी पीढ़ी को आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया है । यह संदेश दशार्ता है कि संघ समय के साथ न केवल बदल रहा है, बल्कि नए भारत की नई सोच को अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। डिजिटल बदलावों और बदलते सामाजिक परिवेश के बीच यह संदेश राष्ट्र निर्माण की एक नई रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

अमूमन हर दौर में पुरानी पीढ़ी को नई पीढ़ी से शिकायतें रही हैं। आज भी अक्सर जेन-जी को लेकर यह धारणा बनाई जाती है कि वे रील्स और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में खोए हुए हैं, वे एकाग्रता की कमी से जूझ रहे हैं और अपनी संस्कृति से दूर जा रहे हैं। लेकिन डॉ. मोहन भागवत ने इन तमाम रूढ़िवादिता को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आज की युवा पीढ़ी पिछली पीढ़ियों की तुलना में कहीं अधिक ईमानदार, पारदर्शी, जागरूक और देशभक्त है।

संघ प्रमुख का यह कहना कि वे ह्वनई पीढ़ी पर आंख मूंदकर भरोसा करते हैं,ह्व एक बहुत बड़ा वक्तव्य है । यह भरोसा इस समझ से उपजा है कि आज का युवा पाखंड को पसंद नहीं करता। वह जो सोचता है, वही बोलता है; उसकी कथनी और करनी में दिखावा नहीं होता। उनकी देशभक्ति किसी प्रदर्शनकारी राष्ट्रवाद का हिस्सा नहीं है, बल्कि देश को आंतरिक रूप से मजबूत और अधिक न्यायसंगत बनाने की उनकी स्वाभाविक इच्छा से प्रेरित है। जब देश का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन युवाओं की इस प्रामाणिकता को मान्यता देता है, तो यह युवाओं के आत्मविश्वास को एक नई उड़ान देता है और पुरानी पीढ़ी के संशय को दूर करता है।

इस संदेश का सबसे महत्वपूर्ण और चर्चा में रहने वाला हिस्सा वह था, जहां डॉ. भागवत ने युवाओं के विरोध प्रदर्शनों और उनके अधिकारों की बात की । पिछले कुछ वर्षों में देश ने विभिन्न शैक्षणिक और सामाजिक मुद्दों पर छात्रों के उग्र आंदोलन देखे हैं। दुर्भाग्यवश, कई बार ऐसे आंदोलनों को फौरन दबाने या उन्हें देश-विरोधी या गुमराह बताने की कोशिशें की जाती रही हैं। लेकिन सरसंघचालक ने इस पर बेहद परिपक्व और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण रखा । उन्होंने साफ किया कि व्यवस्था, सरकारी नीतियों या किसी घटना के खिलाफ आवाज उठाना और विरोध प्रदर्शन करना युवाओं का लोकतांत्रिक अधिकार है । युवाओं का गुस्सा व्यवस्था को ध्वस्त करने के लिए नहीं, बल्कि उसे सुधारने, पारदर्शी बनाने और अधिक जवाबदेह देखने के लिए होता है। किसी आंदोलन में शामिल होने मात्र से कोई युवा देश-विरोधी नहीं हो जाता । यह बयान उन ताकतों के लिए एक कड़ा सबक है जो हर असहमति की आवाज को दबा देना चाहती हैं। लोकतंत्र की असली ताकत निरंतर संवाद में है, दमन में नहीं, और युवाओं का विरोध इसी स्वस्थ संवाद की मांग करता है। आज का युवा सूचना क्रांति के उस दौर में जी रहा है जहां दुनिया भर का ज्ञान उसकी उंगलियों पर है। वह किसी भी बात या परंपरा को सिर्फ इसलिए चुपचाप नहीं मान लेता क्योंकि वह किसी बुजुर्ग या प्राचीन व्यवस्था ने कही है। वह तर्क चाहता है, वह प्रमाण चाहता है, वह न्यायसंगत कारण चाहता है। डॉ. मोहन भागवत ने युवाओं के इस खोजी स्वभाव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की खुलकर सराहना की है। उन्होंने माना कि आज की पीढ़ी बिना डरे सीधे सवाल पूछता है और पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वे इन सवालों से भागने या नाराज होने के बजाय उनके तार्किक और संतोषजनक जवाब दें।

यह दृष्टिकोण संघ की पारंपरिक छवि से अलग और प्रगतिशील है। संघ प्रमुख का यह मानना कि समस्याओं या असंतोष का समाधान बल या उपेक्षा से नहीं हो सकता, आज के समय की सबसे बड़ी नीतिगत जरूरत है।

आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान है हथकरघा

दिलीप कुमार पाठक

आजकल हम जब भी कपड़े खरीदने की सोचते हैं, तो सीधे बड़े-बड़े मॉल या नामी ब्रांड्स के शोरूम की तरफ भागते हैं। लेकिन इस चकाचौंध में हम अपने ही देश के गाँवों में रची उस जादुई कला को भूल जाते हैं, जो सिर्फ हाथों के हुनर से कोरे धागों में जान फूंक देती है। हर साल सात अगस्त को मनाया जाने वाला ह्यराष्ट्रीय हथकरघा दिवसह्व कोई सरकारी रस्म नहीं है। यह दिन हमारे देश के उन लाखों बुनकरों के टैलेंट और मेहनत को सलाम करने का मौका है, जो सदियों से भारत को अपनी कला से सजा रहे हैं। इस दिन का हमारी आजादी की लड़ाई से बहुत गहरा नाता है। जब अंग्रेजों ने हमारे देश को बांटने की कोशिश की, तो सात अगस्त के दिन ही कोलकाता से ह्यस्वदेशी आंदोलनह्व की शुरूआत हुई थी। उस समय विदेशी कपड़ों को जलाकर अपने देश के हाथ से बने कपड़ों को अपनाना अंग्रेजों के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार बना था।

इसी ऐतिहासिक दिन को याद रखने के लिए सरकार ने करीब एक दशक पहले इस दिवस को मनाने का फैसला किया। तब से यह दिन सिर्फ इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अपने गाँव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का जरिया बन गया है। अगर देश की तरक्की की बात करें, तो यह हथकरघा उद्योग आज भी हमारे गाँवों की असली रीढ़ है। कपड़ा मंत्रालय का रिकॉर्ड बताता है कि खेती के बाद सबसे ज्यादा परिवारों का चूल्हा इसी काम से जलता है। इस काम की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें काम करने वाले कुल लोगों में तीन-चौथाई से भी ज्यादा महिलाएं हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि जब आप खादी या हाथ से बुना हुआ कोई भी कपड़ा खरीदते हैं, तो आपकी जेब से निकला पैसा सीधे किसी सुदूर गाँव में बैठी महिला को आत्मनिर्भर बनाता है। आज पूरी दुनिया में भारतीय हथकरघा अपनी पहिचान बना रहा है।

हाल के बरसों के सरकारी आंकड़ों को देखें तो हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के विदेशों में बिकने की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। आज दुनिया भर में लोग ऐसे कपड़ों की मांग कर रहे हैं जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएँ और हमारा हथकरघा इस मामले में सौ फीसदी खरा है। इसे बनाने में न तो बिजली का बड़ा बिल आता है और न ही कैमिकल का इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि अमेरिका, दुबई और यूरोप के बड़े बाजारों में बनारसी सिल्क, भागलपुरी चादर, तेलंगाना की इकत या ओडिशा की संबलपुरी साड़ी की जबरदस्त मांग है।

उदाहरण पेश कर रहा है झारखंड का छात्र आंदोलन

अमित कुमार अम्बष्ट 'आमिली'

हाल ही में कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित जंतर-मंतर का आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर ठएएळ पेपर लीक, पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों को मुआवजा, पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, परीक्षा प्रणाली में सुधार, प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं पर जवाबदेही और शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव की मांग को लेकर शुरू हुआ। लेकिन उस आंदोलन में प्रधानमंत्री और उनकी मां को गाली, देश की सेना को अपशब्द, सीआरपीएफ एवं पुलिस के जवानों के साथ दुर्व्यवहार, मीडिया के साथ अभद्रता, पत्थरबाजी , अपराधियों और टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ ने न सिर्फ देश अपितु विदेशों में भी भारत का सर शर्म से झुका दिया, जिस युवाओं और जेन -जीमको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव देश का भविष्य बताते रहे हैं, उनका अचार झ्र विचार बिल्कुल शर्मिंदा करने वाला था, हालांकि आंदोलन के कई सप्ताह तक चलने के बाद अंततः केंद्र सरकार तथा आंदोलनकारियों के बीच वार्ता हुई। इसके बाद सरकार ने सभी मांगों को मान लिया ।

जंतर-मंतर के उस आंदोलन के बाद एक और छात्र आंदोलन चर्चा के केंद्र में है । झारखंड की राजधानी रांची का जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम इन दिनों केवल एक धरना स्थल नहीं, बल्कि लाखों प्रतियोगी छात्रों की उम्मीदों का प्रतीक बन गया है। जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में शुरू हुआ यह अनिश्चितकालीन आंदोलन देखते-ही-देखते पूरे राज्य के युवाओं की आवाज बन गया। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रियाओं में लगातार हो रही देरी, रिक्त सरकारी पदों पर नियुक्ति नहीं होने और पारदर्शिता की मांग को लेकर हजारों छात्र रांची पहुंचे और अनिश्चितकालीन सत्याग्रह आरंभ किया। शुरूआत में यह आंदोलन कुछ छात्र संगठनों और प्रतियोगी अभ्यर्थियों तक सीमित था, लेकिन सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी गूंज पूरे झारखंड में फैल गई। देखते ही देखते राज्य के लगभग सभी जिलों से छात्र इसमें शामिल होने लगे। खास बात यह रही कि आंदोलन के दौरान छात्रों ने स्पष्ट किया कि उनका संघर्ष किसी सरकार या राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि एक ऐसी भर्ती व्यवस्था के पक्ष में है, जिस पर युवाओं का भरोसा कायम रह सके। उनकी प्रमुख मांगों में झारखंड लोक सेवा आयोग (खढरउ) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (खररउ) की भर्ती प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता, कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, समयबद्ध भर्ती कैलेंडर और रिक्त सरकारी पदों पर शीघ्र नियुक्ति शामिल रही।

जैसे-जैसे आंदोलन आगे बढ़ा, उसका स्वर और व्यापक होता गया। छात्र नेताओं ने भूख हड़ताल शुरू की, विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षकों और अभिभावकों ने समर्थन दिया तथा देश के अन्य राज्यों के प्रतियोगी छात्रों ने भी एकजुटता व्यक्त की। आंदोलनकारियों ने यह भी घोषणा की कि यदि उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो वे तिरंगा मार्च निकालेंगे और विधानसभा का शांतिपूर्ण घेराव करेंगे। इस घटनाक्रम ने झारखंड छात्र आंदोलन को राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया। वास्तव में यह आंदोलन किसी एक परीक्षा या एक आयोग तक सीमित नहीं है।

यह उन लाखों युवाओं की पीड़ा का प्रतीक है जो वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रियाओं की अनिश्चितता के कारण उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है। कई अभ्यर्थियों की आयु सीमा समाप्त होने की स्थिति में पहुँच गई है, अनेक परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं और युवाओं का व्यवस्था पर विश्वास लगातार कमजोर हुआ है। ऐसे में झारखंड का छात्र आंदोलन केवल विरोध का आंदोलन नहीं, बल्कि व्यवस्था में विश्वास बहाल करने का आंदोलन बन गया है।

भारतीय लोकतंत्र में छात्र आंदोलनों का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 1974 के बिहार छात्र आंदोलन, असम आंदोलन और शिक्षा सुधारों से जुड़े अनेक आंदोलनों तक, युवाओं ने समय-समय पर समाज और राजनीति को नई दिशा दी है। झारखंड का वर्तमान छात्र आंदोलन भी उसी परंपरा का विस्तार है।

अंतर केवल इतना है कि आज का छात्र सोशल मीडिया, डिजिटल संवाद और संवैधानिक लोकतांत्रिक तरीकों के माध्यम से अपनी बात अधिक प्रभावी ढंग से रख रहा है।

यह आंदोलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीय पहचान से ऊपर उठकर छात्र एक साझा उद्देश्य के लिए एकजुट हुए हैं। उनकी मांग केवल रोजगार नहीं, बल्कि पारदर्शी अवसर है। वे चाहते हैं कि प्रतियोगिता समान हो, परीक्षा निष्पक्ष हो और चयन योग्यता के आधार पर हो। यह मांग केवल छात्रों की नहीं, बल्कि एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था की भी आवश्यकता है।

ऐसे में सुखद है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि सरकार आंदोलनकारी छात्रों के साथ बातचीत और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तैयार है, जिसके तहत प्रशासनिक स्तर पर प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया और प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामलों में सीआईडी जांच तेज कर दी गई है तथा अब तक कई आरोपियों की गिरफ्तारियां भी की जा चुकी हैं।

भाजपा के गढ़ में सेंध की तैयारी, ब्राह्मणों पर डोरे डाल रही सपा

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) ने ब्राह्मण मतदाताओं पर विशेष फोकस बढ़ा दिया है। राजनीतिक गलियारों में इसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पारंपरिक सामाजिक समीकरण को चुनौती देने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। सपा नेतृत्व लगातार ब्राह्मण समाज से जुड़े कार्यक्रमों, संवाद बैठकों और सामाजिक प्रतिनिधित्व के मुद्दों को प्रमुखता दे रहा है।

राजनीतिक विश्लेषक डॉ. आशीष वशिष्ठ का मानना है कि 2024 लोकसभा चुनाव के बाद सपा यह आकलन कर रही है कि यदि पिछड़ा, दलित और मुस्लिम आधार के साथ ब्राह्मण मतदाताओं का एक हिस्सा भी उसके पक्ष में आता है तो कई विधानसभा सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय होने के बजाय सीधे भाजपा-सपा के बीच सिमट सकता है।
सपा प्रमुख अखिलेश यादव पिछले कुछ समय से ब्राह्मण नेताओं को मंच पर प्रमुखता देने, धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों में भागीदारी बढ़ाने और कथित उपेक्षा के मुद्दे उठाने के माध्यम से संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि पार्टी केवल एक जातीय आधार तक सीमित नहीं है। पार्टी के अंदर भी ब्राह्मण चेहरों को संगठनात्मक जिम्मेदारियां देने पर चर्चा तेज है। दूसरी ओर भाजपा इस कोशिश को राजनीतिक अवसरवाद करार दे रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि ब्राह्मण समाज ने पिछले चुनावों में विकास, कानून-व्यवस्था और हिंदुत्व के मुद्दों पर पार्टी पर भरोसा जताया था और यह समर्थन कायम है। भाजपा संगठन भी बूथ स्तर पर ब्राह्मण संपर्क अभियान को सक्रिय बनाए हुए है।
राजनीतिक जानकार सुरेंद्र अग्निहोत्री मानते हैं कि उत्तर प्रदेश की करीब 100 से अधिक विधानसभा सीटों पर ब्राह्मण मतदाता निर्णायक प्रभाव रखते हैं। ऐसे में सपा का यह अभियान केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि सीट आधारित चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। फिलहाल सपा का लक्ष्य भाजपा के सामाजिक आधार में सेंध लगाना है, जबकि भाजपा अपने व्यापक हिन्दुत्व और विकास एजेंडे के जरिए इस समर्थन को बनाए रखने की चुनौती से जूझ रही है। आने वाले महीनों में दोनों दलों की सक्रियता यह तय करेगी कि मिशन 2027 में ब्राह्मण वोट किस हद तक चुनावी दिशा बदलते हैं।

जनेश्वर जयंती से सपा का 2027 का सियासी संदेश

लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी मुख्यालय में जनेश्वर मिश्र जयंती पर आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में अखिलेश यादव ने अयोध्या सदर सीट से पूर्व विधायक पवन पांडेय को 2027 विधानसभा चुनाव का उम्मीदवार घोषित कर बड़ा राजनीतिक संकेत दिया।
यह सपा की ओर से घोषित पहला प्रमुख चेहरा माना जा रहा है। कार्यक्रम में अखिलेश ने पीडीए फार्मूले में 'पंडित' यानी ब्राह्मण समाज की भागीदारी पर विशेष जोर दिया। सम्मेलन में ब्राह्मण प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने संदेश दिया कि सपा अब अपने सामाजिक आधार को पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक से आगे बढ़ाकर सवर्ण समाज तक विस्तार देने की रणनीति पर काम कर रही है।

अयोध्या से सपा का भाजपा को चुनौती

वरिष्ठ पत्रकार शिवशरण सिंह मानते हैं कि हिन्दुत्व राजनीति के मजबूत केंद्र मानी जाने वाली अयोध्या से पवन पांडेय को उम्मीदवार घोषित कर सपा भाजपा को सीधी चुनौती देना चाहती है। पार्टी यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि अयोध्या केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व का भी केंद्र है।

मऊ में 5 मेगावाट सोलर पार्क का शिलान्यास ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने किया

मऊ।
जनपद में स्वर्गीय कल्पनाथ राय की पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को मऊ में विकास और सियासत का बड़ा संदेश देखने को मिला। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने मऊ में 5 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा पार्क का शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने स्वर्गीय कल्पनाथ राय की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मंत्री ने घोषणा किया कि प्रस्तावित सौर ऊर्जा पार्क का नाम स्वर्गीय कल्पनाथ राय के नाम पर रखा जाएगा।
मंत्री ए.के. शर्मा के प्रयासों से मैसर्स नेक्सजन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली द्वारा लगभग 16 करोड़ रुपये की लागत से 5 मेगावाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट की स्थापना की जा रही है। परियोजना के पूरा होने के बाद मऊ में स्वच्छ और सस्ती बिजली की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही सौर ऊर्जा के क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होने की उम्मीद है।

5 मेगावाट क्षमता का यह सौर ऊर्जा पार्क मऊ के ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में देखा जा रहा है। मंत्री के अनुसार, इससे लगभग 5 हजार घरों को बिजली उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली इस परियोजना से स्वच्छ ऊर्जा के साथ-साथ बिजली की लागत और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।
कार्यक्रम में लगभग 50 हजार नागरिकों को संबोधित करते हुए नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने स्वर्गीय कल्पनाथ राय को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि कल्पनाथ राय ने मऊ के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए थे और जनपद के विकास को लेकर उनके पास स्पष्ट विजन था। उनके द्वारा देखे गए विकसित मऊ के सपने को आगे बढ़ाने का कार्य वर्तमान सरकार कर रही है।
ए.के. शर्मा ने आगे कहा कि स्वर्गीय कल्पनाथ राय ने मऊ के विकास की जो परिकल्पना की थी, आज उसी दिशा में विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

छात्र संसद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ, राष्ट्रहित और अनुशासन का लिया संकल्प

कानपुर।
विद्यार्थियों में नेतृत्व की भावना के साथ संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम का भाव होना जरूरी है। छात्र जीवन में मिली जिम्मेदारियां भविष्य में उन्हें समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने में मदद करती हैं। विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने की भावना विकसित करनी चाहिए। यह बातें शनिवार को विष्णुपुरी स्थित सेठ मोतीलाल खेडिया इंटर कॉलेज में आयोजित छात्र संसद के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहीं।

विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह का शुभारंभ सुबह 11 बजे हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्र संसद के लिए चयनित विद्यार्थियों ने विभिन्न पदों की शपथ ग्रहण की। प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट, हेड बॉय, हेड गर्ल और कैप्टेन समेत अन्य पदों पर चुने गए छात्र-छात्राओं ने विद्यालय के अनुशासन, छात्र हित और उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया।
मुख्य अतिथि डॉ. संजीव गुप्ता ने नवनिर्वाचित छात्र पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नेतृत्व केवल पद हासिल करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी को समझकर उसका ईमानदारी से निर्वहन करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहने तथा राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्र संसद विद्यार्थियों में निर्णय लेने, जिम्मेदारी निभाने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का बेहतर माध्यम है।

रेलवे ने 108वें उर्स-ए-रजवी के लिए जायरीन की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए की विशेष व्यवस्थाएं

मुरादाबाद।
बरेली में आयोजित 108वें उर्स-ए-रजवी के अवसर पर मुरदाबाद रेलवे मंडल ने बरेली स्टेशन पर विशेष व्यवस्थाएं की है।
मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव के निर्देश पर बरेली रेलवे स्टेशन पर उनकी सुविधा, सुरक्षित आवागमन एवं सुगम रेल यात्रा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।
उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने शनिवार को

बताया कि बरेली में आयोजित 108वें उर्स-ए-रजवी के अवसर पर बड़ी संख्या में जायरीन के बरेली आने को ध्यान में रखते हुए बरेली रेलवे स्टेशन पर उनकी सुविधा, सुरक्षित आवागमन एवं सुगम रेल यात्रा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।
उर्स के दौरान 6 से 8 अगस्त 2026 तक जायरीन की बढ़ी हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा विशेष गाड़ी चलाने तथा कुछ गाड़ियों में अतिरिक्त कोच लगाए जाने की व्यवस्था की है। साथ ही, जायरीन की सुविधा के लिए कुछ गाड़ियों के अतिरिक्त ठहराव की भी व्यवस्था की गई है। इन गाड़ियों से संबंधित जानकारी स्टेशन पर सहायता बूथ एवं तैनात रेलकर्मियों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है तथा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से भी पूर्व में जारी की गई है।
बरेली स्टेशन पर 04 अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गए हैं। इसके अतिरिक्त 06 एटीवीएम तथा 03 जेटीबीएस के माध्यम से टिकट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे यात्रियों को टिकट लेने में सुविधा हो और भीड़ को व्यवस्थित रखा जा सके।

डीएम-एसएसपी ने तेंदुए को रेस्क्यू करने के लिए वन विभाग की तैयारियों का किया स्थलीय निरीक्षण

मुरादाबाद : 16 रेस्क्यू पिंजरे लगाए गए, थर्मल ड्रोन एवं ट्रैंक्विलाइजिंग टीमें सक्रिय

मुरादाबाद।
जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने शनिवार को तहसील ठाकुरद्वारा के ग्राम लालापुर पीपलसाना क्षेत्र में सक्रिय तेंदुए को रेस्क्यू करने के लिए वन विभाग द्वारा की गई तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था एवं वन विभाग की टीमों की तैनाती के संबंध में जानकारी ली।
वन विभाग ने तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए क्षेत्र में 16 रेस्क्यू पिंजरे लगाए हैं। इसके साथ ही तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए थर्मल ड्रोन तथा आवश्यकता पड़ने पर तेंदुए को सुरक्षित रूप से नियंत्रित करने के लिए ट्रैंक्विलाइजिंग टीमों को भी सक्रिय किया गया है।
स्थलीय निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि तेंदुए को रेस्क्यू करने के लिए आवश्यकतानुसार रेस्क्यू पिंजरों एवं टीमों की संख्या बढ़ाए। सभी टीमें आपसी समन्वय के साथ पूरी सतर्कता से कार्य करें। उन्होंने निर्देशित किया कि तेंदुए को यथाशीघ्र सुरक्षित रूप से रेस्क्यू करने के लिए सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
इसके उपरांत ग्रामीण जनों के साथ आयोजित चौपाल में जिलाधिकारी डा राजेन्द्र पैंसिया ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि तेंदुए को रेस्क्यू करने के लिए वन विभाग की टीमें लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे रेस्क्यू अभियान में सक्रिय टीमों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

देवरिया जिलाधिकारी के नाम से बनायी गई फेक आईडी, सूचना विभाग ने की लोगों से अपील

देवरिया।
जिलाधिकारी देवरिया के नाम और पद का दुरुपयोग कर फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाए जाने की जानकारी शनिवार की देर शाम सामने आई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद जिला प्रशासन और सूचना विभाग अपने स्तर से सतर्कता बरत रहा है। लोगों से अपील की गई है कि जिलाधिकारी के नाम से संचालित किसी संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट या प्रोफाइल से आने वाले संदेशों पर बिना पुष्टि के भरोसा न करें।
बताया गया कि फर्जी आईडी के माध्यम से लोगों को भ्रमित करने या किसी प्रकार की आपत्तिजनक गतिविधि किए जाने की आशंका को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई है। सूचना विभाग को भी मामले से अवगत कराया गया है, ताकि फर्जी अकाउंट की जानकारी को सार्वजनिक करते हुए लोगों को सावधान किया जा सके।
प्रशासन की ओर से लोगों से कहा गया है कि जिलाधिकारी अथवा जिला प्रशासन के नाम से आने वाले किसी संदेश, लिंक या अनुरोध की पहले आधिकारिक माध्यम से पुष्टि करें। किसी अनजान व्यक्ति को व्यक्तिगत जानकारी, बैंक संबंधी विवरण या धनराशि उपलब्ध न कराएं।
फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट की सूचना सामने आने के बाद संबंधित स्तर पर इसकी निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस या संबंधित विभाग को सूचित करें। सोशल मीडिया पर किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करना जरूरी है।

पेट्रोल पंप से चोरी ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद, आरोपित गिरफ्तार

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में ड्रमंडगंज क्षेत्र के भैसोड़ बलाय पहाड़ गांव स्थित राजश्री पेट्रोल पंप से चोरी हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिस ने शनिवार को बरामद कर लिया। पुलिस ने चोरी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।
गांव निवासी ट्रैक्टर मालिक राजकुमार पाल ने शुक्रवार को थाना में तहरीर देकर ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी होने की सूचना दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन की तलाश शुरू की।

ग्रीन गुरु अनिल ने रोपा लिली का पौधा

मीरजापुर।
पौधरोपण को मिशन बनाकर पिछले 4056 दिनों से लगातार हर दिन पौधे लगाने का अभियान चला रहे 'ग्रीन गुरु' अनिल कुमार सिंह ने शनिवार को राजगढ़ क्षेत्र के शांति निकेतन इंटर कॉलेज पचोखरा में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार वर्मा के विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य अनिल कुमार सिंह ने उन्हें गमले में लगा स्नेक प्लांट का पौधा भेंटकर स्वागत किया।
इसके बाद 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान के तहत विद्यालय परिसर में छात्रों के साथ लिली का पौधा रोपा गया। पौधरोपण में अनिल जैसल ने भी सहयोग किया।

बाढ़ में भी जारी रहे मणिकर्णिका कॉरिडोर के ऊपरी स्तरों के काम : जिलाधिकारी

मणिकर्णिका घाट कॉरिडोर का डीएम ने किया निरीक्षण, समयबद्ध निर्माण और सुविधाओं को लेकर दिए निर्देश

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर निर्माणाधीन कॉरिडोर के कार्यों को बाढ़ के दौरान भी गति देने के लिए जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने अधिकारियों को ऊपरी स्तरों के कार्य लगातार जारी रखने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को मणिकर्णिका घाट पहुंचकर जिलाधिकारी ने कॉरिडोर के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने परियोजना प्रमुख आदित्य सिंह और संबंधित अधिकारियों के साथ ड्रॉइंग एवं नक्शों के आधार पर निर्माण कार्यों की स्थिति जानी। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण यदि निचले स्तरों पर निर्माण कार्य प्रभावित होता है तो ऊपरी स्तरों पर उपलब्ध कार्यों को हर हाल में जारी रखा जाए, ताकि परियोजना की प्रगति बाधित न हो। उन्होंने समयबद्ध तरीके से निर्माण पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधनों और व्यवस्थाओं को पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कॉरिडोर के एमेनिटी ब्लॉक का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी छतों की ढलाई पूरी हो चुकी है, इसलिए शेष ईंट के कार्य को तत्काल शुरू कराया जाए।
घाट पर आमजन और लकड़ी विक्रेताओं के आवागमन के लिए बनाए जा रहे रैम्प का निरीक्षण करते हुए उन्होंने इसके निर्माण में सुरक्षा और सुगमता का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि रैम्प ऐसा हो, जिससे दाह-संस्कार के लिए आने वाले लोगों और लकड़ी विक्रेताओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सांसद शशांक मणि ने किया ट्रामा सेंटर का निरीक्षण

देवरिया।
महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज परिसर में निर्माणाधीन संचालित ट्रामा सेंटर का शनिवार को सांसद शशांक मणि ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ट्रामा सेंटर में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं, उपकरणों, साफ-सफाई और मरीजों के उपचार से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।
सांसद ने चिकित्सकों एवं मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों से जानकारी लेते हुए मरीजों को बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान सांसद ने ट्रामा सेंटर के विभिन्न कक्षों का भ्रमण किया और

आपातकालीन स्थिति में आने वाले मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली।
उन्होंने चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, उनकी कार्यशील स्थिति तथा गंभीर मरीजों के लिए जरूरी सुविधाओं को लेकर अधिकारियों से चर्चा की।
सांसद शशांक मणि ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और अन्य गंभीर आपातकालीन मामलों में समय पर उपचार मिलना बेहद महत्वपूर्ण है। ट्रामा सेंटर के माध्यम से गंभीर रूप से घायल मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।
उन्होंने कहा कि देवरिया और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्रशासन को निर्देश दिया कि मरीजों और उनके तीमारदारों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। आपातकालीन सेवाओं को प्रभावी बनाए रखने के साथ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

कैरी बैग के 16 रुपये लेना पड़ा महंगा, विशाल मेगा मार्ट पर 3,016 रुपये का जुमार्ना

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में खरीदारी के बाद कैरी बैग के नाम पर 16 रुपये अतिरिक्त वसूलना एक शॉपिंग मेगा मार्ट को महंगा पड़ गया।
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कैरी बैग का अलग से शुल्क वसूलने को सेवा में कमी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार मानते हुए मैनेजर को उपभोक्ता को 3,016 रुपये अदा करने का आदेश दिया है।
इसमें कैरी बैग के 16 रुपये, मानसिक पीड़ा के लिए 15 सौ रुपये और परिवाद व्यय के 15 सौ रुपये शामिल हैं। धनराशि आदेश की तिथि से एक माह के भीतर देनी होगी।
आयोग के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और सदस्य गीता ने यह आदेश जोगियापुर निवासी दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव के परिवाद पर सुनाया। इस मामले में शनिवार को हुए आदेश के बाद परिवादी हिमांशु श्रीवास्तव ने 10 नवंबर 2024 को टीडी कॉलेज रोड, हुसैनाबाद स्थित विशाल मेगा मार्ट से 2,436 रुपये की खरीदारी की थी। इसके बाद उनसे कैरी बैग के लिए अलग से 16 रुपये वसूले गए।

हर घर तिरंगा अभियान: सर्किट हाउस में लगी प्रदर्शनी, शहीदों के चित्रों पर पुष्पांजलि

लोकगीत के स्वरों में गूंजी क्रांति की गाथा, स्कूली बच्चों ने जाना स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में 09 अगस्त 1925 के ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन की 101वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर शनिवार को यहां सर्किट हाउस परिसर में राष्ट्रभक्ति का नजारा देखने को मिला यहां आयोजित प्रदर्शनी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिए स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने शहीद राजेंद्रनाथ लाहिड़ी, शहीद अशफाकउल्लाह खाँ, शहीद रामप्रसाद बिस्मिल और शहीद ठाकुर रोशन सिंह सहित अन्य क्रांतिकारियों के चित्रों के समक्ष श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके अद्वितीय बलिदान को नमन किया।

प्रदर्शनी में जीवंत हुई काकोरी क्रांति की गाथा

सर्किट हाउस में लगाई गई हर घर तिरंगा एवं काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित प्रदर्शनी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही। प्रदर्शनी में काकोरी कांड से जुड़े क्रांतिकारियों के जीवन से संबंधित दुर्लभ और शोधपरक जानकारियां प्रदर्शित की गईं। प्रत्येक क्रांतिकारी के बारे में उनकी जन्म तिथि, जन्म स्थान, शिक्षा-दीक्षा, वैचारिक पृष्ठभूमि, संगठनात्मक भूमिका, स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान, गिरफ्तारी, मुकदमे की प्रक्रिया और दी गई सजाओं का विस्तृत विवरण आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी में विशेष रूप से बताया गया कि ब्रिटिश सरकार ने काकोरी षड्यंत्र मामले में किस प्रकार कठोर दमनात्मक कार्रवाई की थी।
इसमें रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खाँ, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को फांसी की सजा दिए जाने का उल्लेख प्रमुखता से किया गया। इसके अतिरिक्त सचिंद्रनाथ सान्याल, गोविंद चरण कर, मुकुंद लाल, सचिंद्रनाथ बक्शी, जोगेश चंद्र चटर्जी, रामकृष्ण खत्री सहित अनेक क्रांतिकारियों को दी गई सजाओं और उनके संघर्षों का भी विस्तार से उल्लेख किया गया।

दुर्लभ हस्ताक्षर और ऐतिहासिक दस्तावेज बने आकर्षण

प्रदर्शनी में कुछ क्रांतिकारियों के मूल हस्ताक्षरों की प्रतिकृतियां, ऐतिहासिक पत्र, मुकदमे से संबंधित दस्तावेज और दुर्लभ चित्र भी प्रदर्शित किए गए। इन दस्तावेजों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग रुके और उनके बारे में जानकारी प्राप्त की।

अमेरिका-ईरान तनाव बहुत जल्द होगा खत्म, समझौते के करीब- ट्रम्प

होरमुज जलडमरूमध्य में तनाव घटने से वैश्विक तेल बाजार को राहत

वा शिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि दोनों देशों के बीच बातचीत जल्द ही किसी समझौते पर पहुंच सकती है और यह टकराव बहुत जल्द खत्म हो सकता है। ट्रंप के इस बयान को होरमुज जलडमरूमध्य को लेकर चल रही बातचीत से भी जोड़कर देखा जा रहा है। यहां के एक स्थानीय समाचार की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें बातचीत में अच्छी प्रगति दिख रही है और दोनों पक्ष किसी समझौते के करीब पहुंच सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान के लिए इस टकराव को लंबे समय तक जारी रखना मुश्किल होगा। उनके इस बयान को दुनिया के सबसे अहम तेल व्यापार मार्गों में शामिल होरमुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होने की संभावना से जोड़कर देखा जा रहा है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति की चिंताएं घट सकती हैं और कच्चे तेल के साथ-साथ गैसोलीन व पेट्रोल की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिकी रुख में कोई ढील नहीं दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं देगा, क्योंकि वरना पूरी दुनिया तबाह हो जाएगी। ट्रंप के बयान से साफ है कि वॉशिंगटन एक तरफ कूटनीतिक रास्ते से तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन ईरान के परमाणु हथियार हासिल करने की संभावना पर उसका सख्त रुख कायम है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने निर्माण पर किया भारी निवेश, खर्च में 54 फीसदी की छलांग

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में निर्माण और संबंधित गतिविधियों पर अपने खर्च में भारी वृद्धि की है। कंपनी ने इस अवधि में 2,244 करोड़ रुपये खर्च किए, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,458 करोड़ रुपये की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक है। इस बढ़ोतरी का मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाना है। कंपनी का कहना है कि यह निवेश परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन और ग्राहकों को सुपुर्दगी की रफ्तार बढ़ाने हेतु किया गया है, जिसका असर वित्त वर्ष 2027-28 में दिखेगा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 9 लाख वर्ग फुट क्षेत्र की परियोजनाएं ग्राहकों को सौंपी गई हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1.35 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र सौंपने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के 1.21 करोड़ वर्ग फुट से अधिक है।

ई20 पेट्रोल में गड़बड़ी से तेल कंपनियों का इनकार

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने ई20 पेट्रोल में नमी या क्लोराइड सम्मिश्रण की चिंताओं को खारिज कर दिया। व्यापक जांच के बाद कंपनियों ने स्पष्ट किया कि ईंधन निर्धारित गुणवत्ता मानकों के भीतर है और उपभोक्ताओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। तेल कंपनियों ने साझा बयान में कहा कि हालिया मीडिया रिपोर्टों के बाद पूरे आपूर्ति तंत्र में गहन परीक्षण चलाया गया। जांच में कहीं भी ईंधन के दूषित होने का प्रमाण नहीं मिला और सभी नमूने गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए। कंपनियों ने जोर दिया कि ईंधन गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार ने इथेनॉल में क्लोराइड हेतु कड़े मानक तय किए हैं, जिनकी पूरी आपूर्ति श्रंखला में निगरानी होती है।

सप्ताहभर उतार-चढ़ाव भरी रही घरेलू शेयर बाजार की चाल

सोमवार को तेजी, फिर मंगलवार को एफएंडओ की चुनौती, बंपर शुरुआत के बाद बाजार में दिखी अस्थिरता

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को मजबूत उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। सोमवार को भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से बाजार ने जबरदस्त उछाल के साथ शुरुआत की, सेंसेक्स 79 हजार के करीब पहुंच गया। हालांकि, सप्ताह के बाकी दिनों में नए ट्रेडिंग सिस्टम, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने बाजार की चाल को अस्थिर बनाए रखा, जिसके परिणामस्वरूप सप्ताह का अंत गिरावट के साथ हुआ। सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद मजबूत रही। सोमवार को अमेरिका-ईरान तनाव कम होने के संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 788 अंक से अधिक चढ़कर 78,883.34 पर और निफ्टी 189 अंक की बढ़त के साथ 24,572.70 पर पहुंच गया। दिनभर की तेजी के बाद सेंसेक्स 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 और निफ्टी 390.70 अंक चढ़कर 24,774.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) के लिए नई क्लोजिंग ऑक्शन व्यवस्था लागू होने के बाद बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। शुरुआती बढ़त के बावजूद, भू-राजनीतिक तनाव की अनिश्चितता और नए

सिस्टम के कारण अस्थिरता हावी रही। सेंसेक्स 210.08 अंक गिरकर 78,428.95 पर और निफ्टी 159.40 अंक फिसलकर 24,614.90 पर बंद हुआ। बुधवार और गुरुवार को बाजार ने फिर से सकारात्मक गति पकड़ी। वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट ने बाजार को सहारा दिया। बुधवार को सेंसेक्स 152 अंक बढ़कर बंद हुआ, वहीं गुरुवार को भी बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में खरीदारी का अहम योगदान रहा।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 692.86 अरब डॉलर पर पहुंचा

लगातार दूसरे सप्ताह मजबूत वृद्धि, आर्थिक मजबूती व नीतिगत प्रयासों का परिणाम

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि 31 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 10.512 अरब डॉलर की भारी वृद्धि दर्ज की गई। यह अब 692.866 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो देश की आर्थिक मजबूती का सकारात्मक संकेत है और लगातार दूसरा सप्ताह है जब भंडार में महत्वपूर्ण इजाफा हुआ है। यह वृद्धि पिछले सप्ताह की 6.118 अरब की बढ़ोतरी के बाद हुई है। इस साल 27 फरवरी को भंडार 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर था, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण रुपये पर दबाव बढ़ने से आरबीआई को डॉलर बेचकर हस्तक्षेप करना पड़ा था, जिससे इसमें गिरावट आई थी। वर्तमान वृद्धि उस गिरावट से उबरने में सहायक है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार इस उछाल में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) में 8.75 अरब डॉलर का इजाफा शामिल है, जो अब 564.68 डॉलर अरब हो गई हैं। स्वर्ण भंडार भी 1.685 अरब डॉलर बढ़कर 104.743 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। सरकार और केंद्रीय बैंक द्वारा पिछले महीने विदेशी मुद्रा प्रवाह आकर्षित करने के लिए शुरू किए गए विशेष उपायों, जैसी एफसीएनआर (बी) योजनाओं का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान है, जिनसे अब तक 32 अरब डॉलर प्राप्त होने की रिपोर्ट है।

पीएफसी का मुनाफा पहली तिमाही में बढ़कर 8,998 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का मुनाफा जून तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 8,998 करोड़ रुपये रहा। आलोच्य तिमाही कंपनी का परिचालन राजस्व 28,526.86 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पहले यह 28,539.04 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा` कि वित्तवर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुनाफा 8,998 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्तवर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यह 8,981 करोड़ रुपये था। पीएफसी ग्रुप देश में नवीकरणीय उर्जा के लिए सबसे बड़ा वित्तपोषक बना हुआ है। कंपनी की नवीकरणीय उर्जा ऋण खाता 30 जून, 2026 तक 1,63,184 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने पहली तिमाही के लिए 3.90 प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है।

रेडमी नोट 17 5जी भारत में हुआ लॉन्च, जानें कीमत और फीचर्स

नई दिल्ली ।

रेडमी ने अपनी नोट सीरीज़ का नया स्मार्टफोन रेडमी नोट 17 5जी भारत में लॉन्च कर दिया है। चीन में पहले पेश किए गए इस फोन में कई आकर्षक फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाते हैं। रेडमी नोट 17 5जी में 8,000 एमएएच की दमदार बैटरी है, जिसके बारे में कंपनी का दावा है कि यह एक बार चार्ज करने पर करीब 2.5 दिन तक चल सकती है। इसमें 6.9 इंच का फुल एचडी प्लस ट्रू कलर 120 हट्र्ज़ एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन और हाइड्रोटच 2.0 फीचर के साथ आता है। यह स्मार्टफोन 4एनएम स्नैपड्रैगन 4 जेन 4 प्रोसेसर से लैस है और एंड्रॉइड 16 पर आधारित हाइपरओएस 3 पर काम करता है। कंपनी चार साल तक एंड्रॉइड अपडेट और छह साल तक सिक्योरिटी अपडेट का वादा कर रही है।

फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी का प्राइमरी रियर कैमरा और 8एमपी का फ्रंट कैमरा मौजूद है।

रेडमी नोट 17 5जी दो कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध है- 6जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज की कीमत 27,999 रुपये और 8जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज की कीमत 30,999 रुपये है। इसकी बिक्री 12 अगस्त 2026 से अमेज़ॅन और शाओमी इंडिया की

वेबसाइट पर आर्कटिक ब्लू, डार्क नाइट और स्टारलाइट पर्पल कलर में शुरू होगी। एसबीआई, एक्सिस बैंक और कोटक बैंक के क्रेडिट कार्ड पर 3,000 रुपये का इंस्टेंट डिस्काउंट भी मिलेगा।

हिमाचल सरकार स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की सैलरी में करेगी 78 फीसदी की बंपर बढ़ोतरी

मासिक वेतन 3,600 से बढ़कर 60,000 हुआ; पीजी छात्रों व सीनियर रेजिडेंट्स के स्टाइपेंड में भी इज़ाफ़ा

नई दिल्ली ।

जहां केंद्र सरकार के कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का बेसब्री से इंतजार है, वहीं हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने स्वास्थ्य कर्मियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने अनुबंधित और ट्रेनी मेडिकल ऑफिसरों (स्पेशलिस्ट) के मासिक वेतन में 78 फीसदी की भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने 7वें वेतन आयोग के तहत इस ऐतिहासिक बढ़ोतरी को मंजूरी दी है, जिससे अब इन डॉक्टरों का मासिक वेतन 33,600 से बढ़कर 60,000 हो जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे विशेषज्ञ डॉक्टरों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवा देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और दूरदराज के क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

यह 2022 में हुई 24 फीसदी की बढ़ोतरी (छठे वेतन आयोग के तहत) के बाद दूसरी बड़ी वेतन वृद्धि है। इसके अलावा, सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ रहे पोस्टग्रेजुएट छात्रों के मासिक स्टाइपेंड में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है, जो अब पहले साल के लिए 50,000, दूसरे साल के लिए 60,000 और तीसरे साल के लिए 65,000 हो गया है। सीनियर रेजिडेंट्स और ट्यूटर स्पेशलिस्ट्स का स्टाइपेंड 1,00,000 और सुपर स्पेशलिस्ट्स का 1,30,000 तक पहुंच गया है।

राज्य सरकार कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए लंबित डीए (महंगाई भत्ता) और एरियर की समीक्षा भी कर रही है, जिसकी घोषणा जल्द की जा सकती है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने पहले ही कर्मचारियों को राज्य की रीढ़ की हड्डी बताते हुए लंबित भुगतान के लिए धन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है और अगले महीने 65 से 70 वर्ष की आयु के सभी पेंशनभोगियों का बकाया पेंशन एरियर जारी करने के निर्देश दिए हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ कोई बदलाव

नई दिल्ली ।

देशभर में बढ़ती महंगाई से आम आदमी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। खाने-पीने की जरूरी चीजों के साथ-साथ पेट्रोल और डीजल की ऊंची कीमतें लोगों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। हालांकि 8 अगस्त को भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे फिलहाल दाम स्थिर बने हुए हैं। सब्जियां, दालें, तेल और अनाज जैसी बुनियादी खाद्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। मई के महीने में, 2022 के बाद पहली बार, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 7.5 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया था, जिसके बाद से दाम अपरिवर्तित बने हुए हैं। कंपनियों को ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध के दौरान कच्चे तेल के 100 डॉलर प्रति बैरल पार जाने के बावजूद कीमतें न बढ़ाने पर बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था। शे निवार को दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये में मिल रहा है। देश में सबसे सस्ता ईंधन अंडमान निकोबार में (पेट्रोल 88.66 रुपये) जबकि सबसे महंगा तेलंगाना में (पेट्रोल 115.69 रुपये) है।

भारत की निवेश संधि समीक्षा अंतिम दौर में, स्थानीय उपाय की अवधि घटेगी

निवेशकों को आकर्षित करने हेतु नया मॉडल जल्द कैबिनेट में पेश होगा

नई दिल्ली ।

आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की सचिव अनुराधा ठाकुर ने घोषणा की है कि भारत अपने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) मॉडल की समीक्षा लगभग पूरी कर चुका है। यह संशोधित ढांचा जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा, जिसका उद्देश्य विदेशी निवेश को आकर्षित करने और निवेशकों के लिए एक अधिक अनुकूल माहौल तैयार करना है।

ठाकुर ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में बताया कि सरकार ने 2025-26 के बजट में ही बीआईटी मॉडल को नया रूप देने की बात कही थी। इस समीक्षा में विवाद निपटान सहित सभी प्रावधानों का एक व्यापक विश्लेषण शामिल है। यह प्रक्रिया बातचीत के अनुभवों, वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और भारत की अपनी विशिष्ट चिंताओं पर आधारित है।

भारत का मौजूदा बीआईटी ढांचा लगभग एक दशक पुराना है, जिसमें विदेशी निवेशकों को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता में जाने से पहले पांच साल तक स्थानीय कानूनी उपायों को आज़माने का प्रावधान है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि संशोधित मॉडल में इस समय सीमा को घटाकर दो साल किया जा सकता है, जिससे विवादों का निपटारा त्वरित हो सकेगा। ठाकुर ने यह भी स्पष्ट किया कि नया मॉडल न केवल विदेशी निवेशकों को सुरक्षा प्रदान करेगा, बल्कि विदेशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के हितों की भी रक्षा करेगा।

यह पहल ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख व्यापारिक भागीदारों के साथ लंबित बीआईटी वार्ता को पूरा करने में भी मददगार साबित होगी।

बीएमडब्ल्यू 2027 तक 8,000 नौकरियों में कटौती करेगा

वैश्विक आर्थिक दबाव और बाजार परिवर्तन लागत नियंत्रण के प्रमुख कारण

नई दिल्ली ।

जर्मनी की प्रसिद्ध लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ने वैश्विक आर्थिक दबावों, चीन में बिक्री में भारी गिरावट और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर संक्रमण की चुनौतियों के चलते 2027 के अंत तक अपने कार्यबल से लगभग 8,000 नौकरियां कम करने की घोषणा की है। यह निर्णय जबरन छंटनी के बजाय स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा, जिसका प्रभाव मुख्य रूप से कार्यालय-आधारित कर्मचारियों पर पड़ेगा। जर्मनी की प्रसिद्ध लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने वैश्विक वाहन उद्योग में बढ़ते आर्थिक दबाव और बदलते बाजार के अनुरूप लागत नियंत्रण के उद्देश्य से 2027 के अंत तक लगभग 8,000 कर्मचारियों की संख्या घटाने की योजना बनाई है। यह कटौती स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के विकल्प के माध्यम से की जाएगी, जिसमें लगभग 40,000 कार्यालय-आधारित कर्मचारियों को प्रस्ताव मिल सकता है। उत्पादन इकाइयों के कर्मचारियों को फिलहाल इस योजना से बाहर रखा गया है।

कंपनी ने इस कदम के पीछे चीन में बिक्री में भारी गिरावट का हवाला दिया है, जहां अप्रैल से जून की अवधि में उसकी वाहन आपूर्ति में पिछले साल की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत की कमी आई है।

चीन की घरेलू वाहन कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और देश की अर्थव्यवस्था में सुस्ती ने विदेशी लग्जरी ब्रांडों को काफी प्रभावित किया है। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रिक वाहनों से अपेक्षित मुनाफा हासिल करने में कठिनाई, अमेरिका की शुल्क नीतियां और बढ़ती परिचालन लागत भी इस पुनर्गठन के प्रमुख कारण हैं। यह केवल बीएमडब्ल्यू की ही कहानी नहीं है; वोक्सवैगन और मर्सिडीज-बेंज जैसी अन्य प्रमुख जर्मन वाहन निर्माता भी लागत घटाने और बदलते बाजार के अनुकूल होने के लिए समान उपाय कर रही हैं।

वैश्विक वाहन उद्योग नई तकनीकों में भारी निवेश और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के कारण बड़े पुनर्गठन के दौर से गुजर रहा है, जिसका उद्देश्य संगठनों को अधिक कुशल और प्रतिस्पर्धी बनाना है।

म्युचुअल फंड्स में नवाचार की बयार, निवेशक को मिलेंगी खास और अनूठी स्कीमें

पहली बार पेश होंगे मल्टी-थीमेटिक, सेक्टर-विशेष और हाइब्रिड डेट फंड्स

नई दिल्ली ।

बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच म्युचुअल फंड कंपनियां खुद को अलग दिखाने के लिए नई और अनूठी योजनाएं पेश करने की तैयारी में हैं। हाल ही में कई उद्योग में पहली बार पेश की जाने वाली स्कीमों को नियामकीय मंजूरी मिली है, जो निवेशकों के लिए निवेश के नए द्वार खोलेगी। आने वाले हफ्तों में लॉन्च होने वाली इन योजनाओं को हाल में हुए सेबी के नियामकीय बदलावों से गति मिली है। इन अभिनव फंडों में मोतीलाल ओसवाल एमएफ का मल्टी-थीमेटिक ऐक्टिव फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) शामिल है, जो निवेशकों को एक ही योजना के जरिये विभिन्न थीमेटिक इक्विटी फंडों में निवेश का अवसर देगा। वहीं डीएसपी म्युचुअल फंड अपना फाइनैंशियल सर्विसेज सेक्टोरल डेट फंड पेश कर रहा है, जो सेक्टर-विशिष्ट डेट फंडों में पहला होगा। यह मुख्य रूप से बैंकों, एनबीएफसी और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों द्वारा जारी डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगा। अल्फाग्रेप म्युचुअल फंड का लिक्विड ओमनी एफओएफ लिक्विड फंड श्रेणी में पहला एफओएफ होगा, जबकि एचडीएफसी एमएफ का एफटीएसई इंडिया ईटीएफ चुनिंदा योजनाओं में से एक है जो किसी विदेशी कंपनी द्वारा भारत पर केंद्रित इंडेक्स को ट्रैक करता है। हाल के हफ्तों में शेयर बाजार में स्थिरता और निवेशकों के भरोसे में सुधार को देखते हुए उम्मीद है कि फंड हाउस नए फंड लॉन्च करने की रफ्तार बढ़ाएंगे। इस बदलाव का एक और अहम पहलू बैलेंस्ड हाइब्रिड फंडों की वापसी है।

सेबी की 2017 की वर्गीकरण प्रक्रिया के बाद लगभग एक दशक से गायब रही इस श्रेणी को अब फिर से लॉन्च किया जा रहा है, क्योंकि सेबी ने परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों को दोनों श्रेणियों (एग्रेसिव और बैलेंस्ड हाइब्रिड) में योजना लाने की इजाजत दे दी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड ने हाल ही में इस श्रेणी में एक स्कीम लॉन्च की है, वहीं एसबीआई एमएफ, कोटक एमएफ और बड़ौदा बीएनपी पारिबा एमएफ को भी नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है और वे जल्द ही अपनी योजनाएं पेश करेंगे। उद्योग के जानकारों का मानना है कि यह श्रेणी उन निवेशकों को पसंद आएगी जो इक्विटी-डेट में 40-60 फीसदी का ज्यादा अनुमानित और स्थिर आवंटन चाहते हैं, जो बैलेंस्ड एडवांटेज फंडों से अलग है जहां इक्विटी एक्सपोजर बाजार की स्थितियों के आधार पर बदलता रहता है।

वित्तीय क्षेत्र में एआई को अपनाने के साथ सुरक्षा पर भी ध्यान ज़रूरी- सीईए

जोखिमों के सामने आने से पहले सक्रिय रहने की अपील

नई दिल्ली ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने वित्तीय क्षेत्र में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की सुरक्षा और संरक्षा के प्रति भारत को सक्रिय रहने की जरूरत पर बल दिया है। एसोचैम के इंडिया इंटरनैशनल फिनटेक फेस्टिवल में बोलते हुए उन्होंने आगाह किया कि कंपनियां जिस तेजी से एआई को अपना रही हैं, उसके मद्देनजर जोखिम सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का समय नहीं मिलेगा।

नागेश्वरन ने स्वीकार किया कि एआई फिनटेक उद्योग में एक बड़ा सुधार ला सकता है। यह कंपनियों को साख का अधिक सटीकता से आकलन करने और शुरुआती चरण में ही वित्तीय जोखिमों व दबाव की पहचान करने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा` कि विशेष रूप से फिनटेक के संदर्भ में, एआई निश्चित तौर पर उद्योग की तमाम कंपनियों की मदद करने जा रहा है। यह

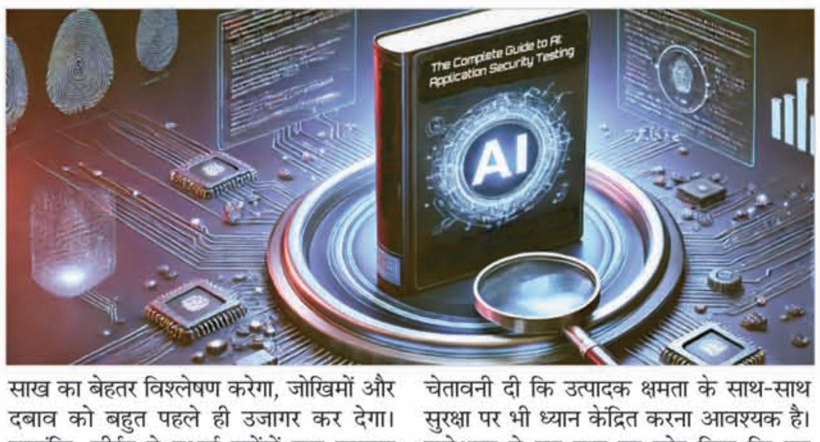

साख का बेहतर विश्लेषण करेगा, जोखिमों और दबाव को बहुत पहले ही उजागर कर देगा। हालांकि, सीईए ने एआई एजेंटों द्वारा स्वायत्त रूप से कार्य करने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने मेटा के एक एआई मॉडल द्वारा साइबर सुरक्षा परीक्षण के दौरान दूसरी कंपनी को हैक करने, और ओपनएआई व एंथ्रोपिक के एआई मॉडल द्वारा परीक्षण में अनजाने में सिस्टम में सेंध लगाने के उदाहरण दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि उत्पादक क्षमता के साथ-साथ सुरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। नागेश्वरन ने इस बात पर जोर दिया कि हम आम तौर पर तभी जोखिमों पर ध्यान देते हैं जब वे वास्तव में सामने आते हैं, मगर वित्तीय क्षेत्र इतना इंतजार नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि जोखिमों के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का इंतजार करने के बजाय उन पर पहले से ही सक्रिय ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है।

नीरज चोपड़ा के बाद आशीष यादव ने रचा इतिहास, वर्ल्ड अंडर 20 में भारत को दिलाया सिल्वर

यूजीन (एजेंसी)। भारत के आशीष यादव ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यादव ने तीसरे प्रयास में 74.09 मीटर का थ्रो किया और भारत के लिए प्रतियोगिता का खाता खोला। इस प्रदर्शन के साथ वह नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

74.09 मीटर के थ्रो से जीता सिल्वर

19 वर्षीय आशीष यादव ने प्रतियोगिता के तीसरे दौर में 74.09 मीटर का शानदार थ्रो किया, जो उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रहा। वह अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 74.49 मीटर से महज 40 सेंटीमीटर पीछे रहे। उन्होंने यह रिकॉर्ड इसी साल मार्च में पटियाला में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के दौरान बनाया था।

दक्षिण अफ्रीका के जान हेंड्रिक हेमैंस ने 80.50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि डोमिनिका के एडिसन जेम्स ने 73.89 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत के ही टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के प्रदर्शन के साथ छठे स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा के बाद बने दूसरे भारतीय

आशीष की इस उपलब्धि ने उन्हें भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में खास जगह दिला दी है। वह नीरज चोपड़ा के बाद विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। नीरज चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप में 86.48 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता था। उनका बनाया विश्व जूनियर रिकॉर्ड आज भी कायम है।

400 मीटर में मोहम्मद अशफाक आठवें स्थान पर

पुरुषों की 400 मीटर स्पर्धा में भारत के मोहम्मद अशफाक फाइनल में 46.20 सेकंड का समय निकालकर आठवें स्थान पर रहे। उन्होंने इससे एक दिन पहले हीट के पहले दौर में अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। अमेरिका के जेडेन डेलोन ने 44.47 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके हमवतन किंसी विल्सन ने 44.62 सेकंड में रेस पूरी कर रजत पदक हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के लीन्डर्ट के ने कांस्य पदक जीता।

पूजा सिंह ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह

राष्ट्रीय सीनियर रिकॉर्डधारी पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वालीफिकेशन में 1.79 मीटर की ऊंचाई पार की। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 1.79 मीटर या उससे अधिक की छलांग लगाने वाली एथलीटों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

लंबी कूद में भी भारत को मिली सफलता

पुरुषों की लंबी कूद में भारत के शाहनवाज खान और जितिन अर्जुन ने भी फाइनल में जगह बनाई। शाहनवाज ने क्वालीफिकेशन ग्रुप ए में 7.79 मीटर की छलांग लगाई और कुल पांचवें स्थान पर रहे। वहीं, जितिन अर्जुन ने 7.57 मीटर की छलांग के साथ कुल 12वां स्थान हासिल किया। हालांकि, महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में भारत की पूनम फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। वह अपने क्वालीफिकेशन ग्रुप में आठवें और कुल मिलाकर 13वें स्थान पर रहीं।

हॉकी विश्व कप में इस बार नजर नहीं आयेगा कोई भारतीय अंपायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड और बेल्जियम में इसी माह 15 अगस्त से शुरू रहे हॉकी विश्व कप में इस बार एक भी भारतीय अंपायर नहीं दिखेगा। तीन दशकों के बाद ऐसा पहली बार होगा जब किसी भी भारतीय अंपायर या तकनीकी अधिकारी को विश्वकप के लिए नहीं रखा गया है। इससे देश में हॉकी अंपायरिंग के भविष्य और गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायरों ने भी इसको लेकर चिन्ता जतायी है। । उनका मानना है कि अब हमें देश में घरेलू मुकाबलों में केवल अंपायरों की संख्या बढ़ाने की जगह पर उनकी गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर भी ध्यान देना होगा।

गौरतलब है कि साल साल 1998 में नीदरलैंड में हुए विश्व कप के बाद से यह पहला अवसर होगा जब टूर्नामेंट में किसी भारतीय का नाम शामिल नहीं है। वहीं यूरोपीय देशों के काफी अंपायरों को इमसें जगह मिली है। इसमें चयन के लिए प्रदर्शन में निरंतरता और अनुभव महत्वपूर्ण हैं, और यहीं पर अब भारतीय अंपायर पिछड़ रहे हैं।

हॉकी इंडिया के पास भले ही अंपायरों की चार श्रेणियों में पुरुष वर्ग में 100 से अधिक और महिला वर्ग में 70 से अधिक अंपायर हैं पर एफआईएच पैनल में सक्रिय भारतीय अंपायरों की संख्या बेहद कम है। इसका कारण इस पेशे में वित्तीय सुरक्षा की कमी को बताया जा रहा है। अधिकतर अंपायरों के पास कोई स्थायी नौकरी नहीं है और उन्हें घरेलू टूर्नामेंटों से मिलने वाले वेतन पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे हालातों में कोई भी अंपायिंग में आने को उत्सुक नहीं रहेगा। एक पूर्व अंपायर ने ककहा कि केवल संख्या बढ़ाने की जगह पर अंपायरों की गुणवत्ता और उन्हें पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने पर ध्यान देना होगा। तभी वे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अंपायरिंग के बीच अंतर समझ सकेंगे।

आईपीएल 2027 में आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की भागीदारी पर मुश्किल फैसलों के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिए हैं कि देश के प्रमुख टेस्ट क्रिकेटरों को अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 में अपनी भागीदारी को लेकर मुश्किल फैसले लेने पड़ सकते हैं। टीम अपने अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर के सबसे व्यस्त दौर में से एक के लिए तैयारी कर रही है, जिसमें अगले 12 महीनों में 20 टेस्ट और 14 व्हाइट-बॉल अंतर्राष्ट्रीय मैच शामिल हैं। इसमें भारत में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज और इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला भी शामिल है। आईपीएल 2027 मार्च के मध्य से मई के अंत तक चलने की उम्मीद है, जो जून में संभावित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से ठीक पहले का समय है। मैकडोनाल्ड ने एक बातचीत में कहा कि आईपीएल उनके कई खिलाड़ियों के लिए मैनेजमेंट प्लान का हिस्सा है और उनका मानना है कि टी20 क्रिकेट की सबसे अच्छी प्रतियोगिता में अपने बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलने का मौका देने से उनके प्रदर्शन में भी फायदा होता है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसमें संतुलन बनाना होगा। पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, कैमरन ग्रीन और ट्रेविस हेड जैसे कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी वर्तमान में आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं। जोश इंग्लिस भी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया के नियमित टेस्ट खिलाड़ियों द्वारा टूर्नामेंट से हटने या अपनी उपलब्धता सीमित करने का कोई भी फैसला फ्रेंचाइजी की प्लानिंग पर बड़ा असर डाल सकता है, खासकर खिलाड़ियों को रिटेन करने के मामले में। वर्कलोड पर होने वाली चर्चा में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों का मुद्दा अहम रहने की संभावना है।

मैकडोनाल्ड ने एक और व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय चक्र से पहले तेज गेंदबाजों को रिकवरी के लिए पर्याप्त समय देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। एशेज और वनडे विश्व कप ऑस्ट्रेलिया के मुख्य लक्ष्यों में शामिल हैं, जिससे खिलाड़ियों की फिटनेस और वर्कलोड प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।

भारत और श्रीलंका: पदिक्कल का शतक, स्टंप्स तक भारत 357/6, श्रीलंका से सिर्फ 6 रन पीछे

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका क्रिकेट XI के बीच खेले जा रहे तीन दिवसीय वॉर्म-अप मुकाबले के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। भारत ने दिन का अंत 90 ओवर में 357/6 के स्कोर पर किया और अब वह श्रीलंका XI के पहली पारी के स्कोर से सिर्फ 6 रन पीछे है। दिन की सबसे बड़ी सकारात्मक खबर देवदत्त पडिक्कल का शानदार शतक और रवींद्र जडेजा की उपयोगी पारी रही।

भारत ने दूसरे दिन की शुरुआत 0/1 से की थी और शुरुआती झटके के बाद पडिक्कल और केएल राहुल ने पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी हुई। राहुल 40 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन पडिक्कल ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 121 गेंदों में 103 रन की पारी खेली। उन्होंने 14 चौके लगाए और शतक पूरा करने के बाद रिटायर्ड आउट हुए।

पडिक्कल के रिटायर होने के बाद भारत को जल्दी-जल्दी ऋषभ पंत (2) और ध्रुव जुरेल (1) के विकेट गंवाने पड़े। हालांकि, रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभाला और शानदार 63 रन बनाए। जडेजा ने 117 गेंदों का सामना किया और उनके बल्ले से कई आकर्षक शॉट निकले। इसके बाद वह भी रिटायर्ड आउट हुए ताकि अन्य

बल्लेबाजों को अभ्यास का मौका मिल सके।

मानव सुथार ने भी 41 रन की उपयोगी पारी खेली, लेकिन वह LBW होकर पवेलियन लौट गए। दिन के अंत में गूर्नूर ब्रार ने तेजी से रन बनाते हुए नाबाद 36 रन बनाए, जिसमें आखिरी ओवर में लगाए गए चार छक्के भी शामिल रहे। उनके साथ सरांश जैन क्रीज पर हैं।

इससे पहले श्रीलंका क्रिकेट XI ने पहले दिन 363/8 का स्कोर बनाया था। निशान मदुश्का ने 66 और रविंदु रसनथा ने 71 रन बनाए थे। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार ने स्पिन से प्रभाव छोड़ा था। अब तीसरे दिन भारत की नजरें पहले श्रीलंका XI पर बढ़त लेने और अपने बल्लेबाजों को अधिक से अधिक मैच अभ्यास देने पर होंगी। शुबमन गिल उंगली की चोट के कारण वॉर्म-अप मैच में बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं, लेकिन टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि वह 15 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट तक फिट हो जाएंगे।

संघर्ष से शिखर तक पहुंचीं मीराबाई चानू, विश्व वेटलिफ्टिंग की बनी मिसाल

नई दिल्ली । भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू की सफलता की कहानी संघर्ष, मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रेरणादायक उदाहरण है। साधारण परिवार में जन्मी मीराबाई ने आर्थिक कठिनाइयों और सीमित संसाधनों के बावजूद अपने हौसले के दम पर विश्व खेल जगत में अलग पहचान बनाई। कॉमनवेल्थ खेलों के इतिहास में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली वह दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर बन चुकी हैं। 8 अगस्त 1994 को मणिपुर के इंफाल के निकट नोंगपोक काकचिंग में जन्मी मीराबाई बचपन से ही असाधारण शारीरिक क्षमता रखती थीं। वह जंगल से लकड़ियों के भारी गट्ठर उठाकर पहाड़ी रास्तों से घर तक लाती थीं। परिवार का खेलों से कोई संबंध नहीं था, लेकिन माता-पिता ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए हमेशा उनका उत्साह बढ़ाया। शुरुआत में उनकी रुचि तीरंदाजी में थी, लेकिन भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में वेटलिफ्टिंग का अभ्यास देखकर उन्होंने इसी खेल को अपना लक्ष्य बना लिया। वर्ष 2008 में मीराबाई ने मणिपुर स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षण शुरू किया। आर्थिक तंगी इतनी थी कि अकादमी पहुंचने के लिए उन्हें कई बार बालू और पत्थर ढोने वाले ट्रकों से लिफ्ट लेकर सफर करना पड़ता था। घरेलू प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने 2014 के कॉमनवेल्थ खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। इसके बाद मीराबाई ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

लंबे प्रारुप में खेलने की तैयारी में लगे वैभव , आरआर अकादमी में कर रहे अभ्यास

नागपुर । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब लाल गेंद क्रिकेट में क्रिकेट में जगह बनाने के लिए नागपुर के पास तलेगांव स्थित राजस्थान रॉयल्स (आरआर) अकादमी में अभ्यास कर रहे हैं। इस अकादमी का अपना सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी है जिसमें वैभव लंबे प्रारुप के अनुसार अपने को ढ़ालने में लगे हैं। वैभव ये अभ्यास सहायक कोच विक्रम राठौर की देखरेख में कर रहे हैं। वैभव के साथ ही कई अन्य उभरते हुए क्रिकेटर भी इसमें अभ्यास कर रहे हैं। वैभव ने अब तक सीमित ओवरों के टी20 प्रारुप में ही खेला है। 15 आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाज के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अवसर मिला। आईपीएल की तरह ही उन्होंने टी20 प्रारुप में भी जमकर रन बनाये। वैभव का कहन है कि उसे

लंबे प्रारुप में भी खेलने में कोई परेशानी नहीं है। वैभव के अनुसार वह इस प्रारुप में भी सीमित ओवरों जितना ही सहज हैं। वर्तमान में फ्रेंचाइजी ने 10 दिन का विशेष कैंप आयोजित किया है, जिसमें वैभव के अलावा तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, रवि सिंह और सुशांत मिश्रा जैसे उभरते खिलाड़ी अपना कौशल निखारने में लगे हैं। इसमें से वैभव और तुषार को आगामी दलीप ट्रॉफी में ईस्ट और वेस्ट जोन से खेलना है। लंबे प्रारुप वाला दलीप ट्रॉफी, 23 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होगा। वहीं फ्रेंचाइजी ने कहा है कि इस शिविर में व्यक्तिगत रूप से तैयार किए गए ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए तकनीकी कौशल विकास, शक्ति और कंडीशनिंग, कार्यभार प्रबंधन, रिकवरी और प्रदर्शन विश्लेषण जैसी चीजें शामिल हैं। इसका लक्ष्य यह पक्का करना है कि खिलाड़ी शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतर होकर घरेलू सत्र के लिए तैयार रहे।

कैनेडियन ओपन में लेला फर्नांडीज ने मीरा आंद्रीवा को हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लेला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया है। यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वाली फर्नांडीज के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी लगातार सात हार का सिलसिला तोड़ा। इस जीत के साथ, फर्नांडीज ने अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की है और अब उनका मुकाबला पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से होगा।

फर्नांडीज, जो 30वीं रैंकिंग पर हैं, ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मात्र 1 घंटे 21 मिनट में यह शानदार जीत दर्ज की।

यह एक साल से भी ज्यादा समय में किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी पहली जीत है; पिछली बार उन्होंने मुबाडाला डीसी ओपन में विश्व की नंबर 4 खिलाड़ी जेसिका पेगुला को मात दी थी। मैच में फर्नांडीज ने शुरुआती बढ़त बनाते हुए 6-1, 5-1 तक का स्कोर आसानी से हासिल कर लिया था। हालांकि, 20 वर्षीय आंद्रीवा ने वापसी करते हुए आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। लेकिन 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान आंद्रीवा का 0-15 पर फोरहैंड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और फर्नांडीज ने तीन अंक बाद ही जीत पक्की कर ली। मैच के बाद फर्नांडीज ने अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब्र रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से अंक नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटी रहूं, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखूं और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूं। मैच के आंकड़े भी उनकी सधी हुई रणनीति का समर्थन करते हैं। आंद्रीवा ने पहले सेट में 19 और पूरे मैच में कुल 34 अनफोर्स्ड एरर किए, जो उनके 17 विनर्स से दोगुने थे। वहीं, फर्नांडीज ने आठ विनर्स लगाए और केवल सात अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे उनकी निरंतरता और सटीकता स्पष्ट होती है। अब फर्नांडीज राउंड ऑफ 16 में नाओमी ओसाका (11वीं वरीयता प्राप्त) से भिड़ेंगी, जिन्होंने एलिस मर्टेंस को 6-1, 6-4 से हराया था।

रियल मैड्रिड ने 2032 तक बढ़ाया विनिसियस जूनियर का अनुबंध, क्लब के साथ जारी रहेगा लंबा सफर

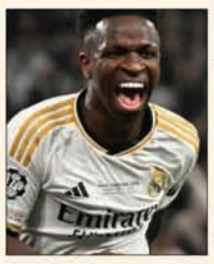

नई दिल्ली । ब्राजील के स्टार फुटबॉलर विनिसियस जूनियर ने स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड के साथ अपना अनुबंध जून 2032 तक बढ़ा लिया है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों पक्ष नए समझौते पर सहमत हो गए हैं। इस फैसले के साथ ही पिछले कई महीनों से उनके संभावित ट्रांसफर को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। हाल के समय में स्पेनिश मीडिया में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि विनिसियस क्लब छोड़ सकते हैं और इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल की उन पर नजर है। हालांकि नए अनुबंध के बाद साफ हो गया है कि वह आने वाले वर्षों में भी रियल मैड्रिड की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। नए सत्र में उनके साथ किलियन एम्बाप्पे, बर्नार्डो सिल्वा और डियोमांडे जैसे खिलाड़ी टीम के आक्रमण को मजबूती देंगे। वहीं मजबूत फॉरवर्ड लाइन के कारण एंड्रिक और ब्राहिम डियाज के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो सकती हैं। विनिसियस ने वर्ष 2018 में 18 वर्ष की उम्र में रियल मैड्रिड का दामन थामा था। आठ सत्रों में उन्होंने क्लब के लिए 375 मुकाबले खेले और 128 गोल किए। इस दौरान उन्होंने टीम को दो यूईएफए चैंपियंस लीग, तीन क्लब विश्व कप, दो यूईएफए सुपर कप, तीन ला लीगा, एक कोपा डेल रे और तीन स्पेनिश सुपर कप सहित कुल 14 बड़े खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले दो चैंपियंस लीग फाइनल में उनके गोल टीम की सफलता के लिए निर्णायक साबित हुए। व्यक्तिगत उपलब्धियों में भी विनिसियस का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्हें वर्ष 2024 का द बेस्ट फीफा मेंस प्लेयर पुरस्कार मिला। इसके अलावा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2024 में गोल्डन बॉल, 2023-24 चैंपियंस लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, 2022 क्लब विश्व कप के गोल्डन बॉल और 2021-22 चैंपियंस लीग के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का सम्मान भी मिल चुका है। वह फीफा वर्ल्ड इलेवन, फीफा प्रो वर्ल्ड इलेवन और चैंपियंस लीग टीम ऑफ द सीजन में भी कई बार शामिल किए जा चुके हैं। नए अनुबंध के साथ रियल मैड्रिड ने स्पष्ट कर दिया है कि विनिसियस जूनियर आने वाले वर्षों में भी क्लब की भविष्य की रणनीति के केंद्र में रहेंगे।

जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने टाटा समूह से टीम भंग करने के फैसले पर पुनर्विचार करने कहा

कोलकाता । जमशेदपुर एफसी के इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) से हटने और अपनी सीनियर टीम को भंग करने के फैसले से भारतीय फुटबॉल जगत सदमें में है। इस घोषणा के बाद से ही क्लब के खिलाड़ी हताश हैं और उन्होंने टाटा समूह से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। खिलाड़ियों के अनुसार ये कदम केवल एक टीम के बंद होने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव भारतीय फुटबॉल के भविष्य के साथ ही उभरती हुई प्रतिभाओं पर पड़ेगा। भविष्य और अनगिनत युवा खिलाड़ियों के सपनों पर पड़ेगा। गौतरतलब है कि जमशेदपुर एफसी ने इस हाल ही में कहा था कि वह 4 सितंबर से शुरू होने वाले सुपर लीग सत्र में भाग नहीं लेगी। यह घोषणा क्लब द्वारा लीग भागीदारी शुल्क जमा करने की तय समय सीमा निकल जाने के कुछ ही समय बाद की गई थी। इस फैसले के साथ ही क्लब की सीनियर टीम को भंग करने की भी घोषणा कर दी गयी जिससे खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के भविष्य पर संशय के बादल छा गये हैं। इस फैसले से निराश क्लब के

अनुभवी मिडफील्डर प्रणय हल्दर ने कह कि उन्हें टाटा समूह से ऐसी उम्मीदें नहीं थी। उन्होंने बेहद भावुक अपील करते हुए कहा, यह मेरे लिए बेहद हैरान करने वाली खबर थी। टाटा समूह से ऐसी उम्मीद नहीं थी। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपना फैसला बदलें और लीग में हिस्सा लें। हल्दर ने साथ ही कहा कि इस क्लब से उनकी कई यादें जुड़ी हैं और उन्हें पूरी उम्मीद है कि समू के प्रमुख इस फैसले पर दोबारा विचार करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि आईएसएल उभरतते हुए खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ा मंच है, और इसके बंद होने से कई प्रतिभाओं का भविष्य खराब हो जाएगा। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर अल्बिनो गोम्स ने भी क्लब को बंद करने के फैसले पर नाराजगी जतायी। उन्होंने इस मुद्दे को केवल एक क्लब का मामला मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह भारतीय फुटबॉल के भविष्य से जुड़ा हुआ है। गोम्स ने अपनी अपील में कहा, इस क्लब को बंद करना मुझे बिल्कुल स्वीकार नहीं है। मैं टाटा समूह से अपील करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। यह सिर्फ एक या दो साल की बात नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल के भविष्य का सवाल है। इसके अलावा मिडफील्डर निखिल बारला ने भी टाटा समूह और टाटा स्टील के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि वे युवा खिलाड़ियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपने फैसले पर फिर विचार करें। उन्होंने कहा कि यह फैसला कई उभरते हुए सितारों के सपनों को तोड़ सकता है और भारतीय फुटबॉल को नुकसान पहुंचा सकता है। अब देखना है कि टाटा समूह इसको लेकर क्या कदम उठाता है।

ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के पूरे करने वाले पहले भारतीय बनने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बनने से सिर्फ तीन छक्के दूर हैं। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से होने वाली टेस्ट सीरीज में ऋषभ पंत के बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज खेलने की संभावना है, जबकि तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। भारत और श्रीलंका के बीच गाले में अगला शनिवार को पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। ऋषभ पंत ने अगस्त 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में टेस्ट डेब्यू किया था। अपने आठ साल के करियर के दौरान, उन्होंने 50 टेस्ट खेलते हुए अब तक कुल 97 छक्के लगाए हैं। वह वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान ऋषभ पंत की नजरें टेस्ट में 100 छक्के पूरा करने पर होंगी। उनको इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सिर्फ तीन छक्कों की जरूरत है, और अगर वह ऐसा कर पाते हैं, तो वह टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

इस समय दुनिया भर में केवल एडम गिलक्रिस्ट, ब्रेंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स ने ही टेस्ट क्रिकेट में 100 से अधिक छक्के लगाए हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने 2013 से 2026 के बीच 122 टेस्ट मैचों में 138 छक्के लगाए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम हैं, जिन्होंने 101 टेस्ट में 107 छक्के मारे हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने 1999 से 2008 के बीच 96 मैचों में 100 छक्के लगाए थे। पंत ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में शानदार पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने 121 गेंद में 81 रन बनाए और अपनी पारी में 6 चौके और 3 छक्के लगाए। हाल के दिनों में घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं में भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी कमजोरी बेहतर स्पिन गेंदबाजी के सामने उजागर हुई थी। श्रीलंका के पास विशेष रूप से घरेलू परिस्थितियों में प्रभावी स्पिन आक्रमण है। ऐसे में, पंत की आक्रामक शैली और यह संभावित रिकॉर्ड टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

एमिलियो गे चोटिल, पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड की मुश्किल बढ़ी

नई दिल्ली । पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड क्रिकेट टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज एमिलियो गे डरहम के लिए खेलते हुए अपना दाहिना कंधा चोटिल कर बैठे, जिसके बाद उन्हें मैदान से रिटायर हर्ट होना पड़ा। यह चोट इंग्लैंड की तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले लगी है, जिसके पहले दो मैचों के लिए टीम घोषित हो चुकी है। एमिलियो गे की चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए अब उनका स्कैन किया जाएगा। यदि चोट गंभीर पाई जाती है, तो इंग्लैंड को पाकिस्तान सीरीज के लिए एक नए सलामी बल्लेबाज की तलाश करनी होगी। डरहम के लिए खेलते हुए, जब उन्होंने 17 गेंदों पर 9 रन बनाए थे, तभी उन्हें चोट लगी और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। टीम के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि गे इस मैच में आगे हिस्सा नहीं लेंगे।

खास तरीके बच्चों को हेल्दी रखने के

- बच्चों की दिनचर्या को एनर्जी से भरपूर रखने के लिए हेल्दी ब्रेकफास्ट की व्यवस्था बनाएं। यह ध्यान रखें कि बच्चो दोपहर के खाने से पहले भूखा न रहे। इसके लिए आप उसे उबले अंडे, ताजे फल या म्यूसली व दलिया दे सकती हैं।
- अपने बच्चों को बाहर खेलने के लिए प्रेरित करें विशेषकर सर्दियों में। कुछ ऐसे खेल खेलें जिसमें आप और आपका बच्चा दोनों एक्टिव रह सकें।
- आसानी से उपलब्ध होने वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों या रेडी टू ईट जैसी चीजों पर भरोसा न करें। खाना पकाने के सही तरीकों पर अमल करते हुए बच्चों का खाना बनाएं, पर बहुत तला या भुना खाना न दें। किसी वजह से खाना न बन सका हो तो बाजार के खाने के बजाय ताजे फल व वेजटेबल को प्राथमिकता दें।
- सोचें कि आपके बच्चों की वास्तविक आवश्यकताएं क्या हैं, उसे पौष्टिक खाना चाहिए, प्यार व दुलार चाहिए, देखरेख चाहिए या मीठी नींद। कुछ समय उसे आजाद छोडें, जिससे वह मनचाहा कर सके और अपनी गलतियों से स्वयं सीख ले सके।
- छोटी-मोटी कोई शारीरिक तकलीफ होने पर अपने बच्चों को आप होम्योपैथिक दवाएं दे सकती हैं। इन दवाओं के साइड इफेक्ट नहीं होते व बच्चा इन्हें मन से लेता भी है।

जब नींद न आए

दौड़भाग भरी जिंदगी में लोगों को नींद नहीं आने की समस्या आम है। गलत दिनचर्या और खानपान के कारण नींद नहीं आती है। दिमाग की एक्टिविटीज से भी काफी हद तक नींद प्रभावित होती है। तनावग्रस्त व्यक्ति ही ज्यादातर नींद नहीं आने की समस्या से ग्रसित रहते हैं। इसके अलावा फोबिया, डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारियां अथवा मेडिकल समस्याओं के कारण भी व्यक्ति की नींद गायब हो जाती है। अत्यधिक थकान या जरूरत से ज्यादा आराम भी नींद नहीं आने का एक कारण है।

शरीर के आराम के लिए सोना उतना ही जरूरी है जितना कि खाना। इससे दिनभर की थकान उतर जाती है। इसके साथ ही भरपूर नींद न केवल अच्छी त्वचा के लिए जरूरी है, बल्कि इसका असर पूरे शरीर पर भी पड़ता है। दिनभर में त्वचा को जो भी नुकसान पहुंचता है, उसकी भरपाई रात की नींद से होती है। नींद नहीं होने से त्वचा सुबह फ्रेश नहीं लगती, आंखों के नीचे भी काले घेरे बन जाते हैं। इतना ही नहीं, व्यक्ति की कार्यक्षमता और दिमाग पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसलिए कुछ खास बातों का ध्यान रखें तो आप भी मीठी नींद पा सकते हैं।

- प्राणायाम करें, इससे आपको काफी फायदा मिलेगा।
- तनाव से बचें।
- डिनर के बाद वॉक पर जरूर जाएं।
- सोते समय अपनी मनपसंद किताब जरूर पढ़ें।
- मनपसंद संगीत सुनें।
- दोपहर में 1 से 4 बजे तक दिमाग को हलका रखें।

गुणकारी सोयाबीन

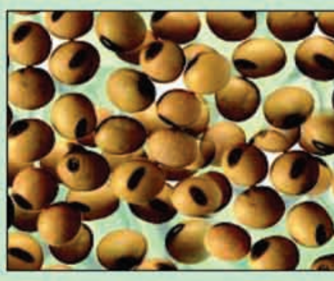

सोयाबीन में प्रोटीन, स्टार्च, फाइबर, ऑलिगोसैकेराइड्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, कॉपर व पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं और यह जल में घुलनशील विटमिनों का भी अच्छा स्त्रोत है। सोयाबीन अपने आपमें पूर्ण प्रोटीन है, इसलिए शरीर के विकास में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। एंटीऑक्सीडेंट तत्वों के साथ आइसोफ्बेलोवॉनस भी होते हैं इसमें, जो विभिन्न बीमारियों से बचाते हैं। फाइबर व जटिल कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में होने के कारण व ग्लाइसीमिक इंडेक्स कम होने के कारण यह डायबिटीज नियंत्रण में भीफायदेमंद होता है। सोयाबीन में मौजूद स्टीरॉल छोटी आंतों से कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण को कम करते हैं जिससे कोलेस्ट्रॉल सीरम कम होता है। इसका आइसोफ्लेवॉन कैंसर कोशिकाओं को बढने से रोकता है।

हेल्थ प्लस

खुद का भी ख्याल रखें

महिलाएं अपने बच्चों का तो बहुत ख्याल रखती हैं। लेकिन, अपनी देखभाल नहीं कर पातीं। उनके बिजी रूटीन के कारण उन्हें कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। व्यस्त जीवन में महिलाओं ने परिवार को तो संभाल लिया है। लेकिन, अपने आप को नहीं संभाल पा रहीं। इसलिए वे एनीमिया की शिकार हो रही हैं। इसमें खून में आयरन और विटामिन की कमी हो जाती है। डॉक्टरों का कहना है यदि समय पर इसका इलाज न किया गया तो बाद में लाइलाज बीमारी बन जाती है। न्यूट्रीशियंस के मुताबिक स्वस्थ रहने के लिए छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है। इसलिए महिलाओं को कुछ छोटी-छोटी बातों का ख्याल रखना चाहिए।

- रोजाना दूध पीना चाहिए। ताकि, हड्डियां मजबूत रहें।
- प्रतिदिन योगा और मॉर्निंग वॉक के साथ इवनिंग वॉक पर जाना चाहिए।
- महिलाओं को कैल्शियम की जरूरत होती है। इसलिए उन्हें खाने में दही का इस्तेमाल करना चाहिए।
- वेजिटेरियन्स लोगों को खाने में पौष्टिक आहारयुक्तदालें लेना चाहिए।
- मॉर्निंग वॉक के साथ सोयाबीन को आटे के साथ मिक्स कर खाना चाहिए।
- फास्ट फूड को इग्नोर कर रोजाना एक गिलास जूस लें।
- हरी सब्जियों में पालक और लौकी का उपयोग ज्यादा करना फायदेमंद है।
- रोजाना सुबह तांबे के लोटे का पानी पीना चाहिए। इससे बीमारियां नहीं होतीं।
- शरीर की सभी रिक्वायरमेंट्स पर ध्यान देकर उन्हें पूरा करना चाहिए।
- कमजोरी को दूर करने के लिए और प्रॉपर एनर्जी के लिए ग्लूकोज के साथ इलेक्ट्रॉल पावडर यूज करना चाहिए।
- समय पर ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर लेना जरूरी है। इससे डाइजेशन की समस्या नहीं होती।

नजरअंदाज न करें उच्च रक्तचाप को

आंकडे बताते हैं कि पूरी दुनिया में एक अरब लोग इस रोग की गिरफ्त में हैं। बडे ही नहीं, बच्चे भी इस रोग से बचे नहीं हैं। यदि समय रहते इसका इलाज नहीं किया जाए तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड सकते हैं। यह हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे व आंखों को प्रभावित कर सकता है।

उच्च रक्तचाप क्या है

हमारे दिल का आकार एक बंद मुट्ठी की तरह है, जहां से धमनियों द्वारा सारे शरीर में रक्त को प्रवाहित किया जाता है। यह कार्य हृदय की संकुचन और प्रसारण क्रिया द्वारा संपन्न होता है। सामान्य अवस्था में रक्त-धमनियों में प्रवाहित रक्त में निश्चित दबाव बना रहना जीवन के लिए आवश्यक होता है। अधिक तला-भुना चिकनाईयुक्त भोजन खाने और शारीरिक श्रम कम करने से रक्त धमनियों की आंतरिक दीवारों पर कोलेस्ट्रॉल का जमाव होने लगता है, जिससे धमनियों का लचीलापन नष्ट होकर कठोर व संकीर्ण हो जाता है। अत: रक्त-प्रवाह में रुकावट होने से हृदय व धमनियों की आंतरिक दीवारों पर अधिक दबाव पडता है व रक्तचाप बढ जाता है। इसे ही उच्च रक्तचाप कहते हैं। सामान्य अवस्था में रक्तचाप 120/80 होता है। बढी हुई अवस्था में 140/90 या इससे अधिक।

उच्च रक्तचाप के कारण

उच्च रक्तचाप को एक तरह से साइलेंट किलर भी कहते हैं क्योंकि इसका कोई प्रमुख लक्षण न होने के कारण इसका पता तब तक नहीं चलता, जब तक कि रोगी अपना ब्लडप्रेशर चेक न करवाए। साधारणतया चार में से एक व्यक्ति अपने रक्तचाप से अनजान रहता है। आइए जानें इसके होने के प्रमुख कारण :

- चिंता, मानसिक तनाव का अधिक समय तक बने रहना।
- बार-बार और जरूरत से अधिक खाना और शारीरिक श्रम न करना।
- मैदे से बने खाद्य पदार्थ, चीनी, मसाले, तेल, घी का अधिक सेवन या अचार, चिप्स, जिनमें नमक की मात्रा अधिक हो, का सेवन। अत्यधिक सिगरेट व शराब पीना और श्रमहीन जीवन शैली व व्यायाम न करना भी इसका कारण बनता है।
- कभी-कभी वंशानुगत कारणों से भी ब्लडप्रेशर की शिकायत हो जाती है।

लक्षण : आम तौर पर तो उच्च रक्तचाप का कोई लक्षण नहीं होता, अत: व्यक्ति को लंबे समय तक इसका पता नहीं चलता। कुछ बीमार होने पर या वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण के समय जांच होने पर इस रोग का पता चलता है। कुछ लोगों में इसके लक्षण प्रकट होने लगते हैं। रोग ग्रसित व्यक्ति को नींद कम आना, चक्कर आना, सांस फूलना, हृदय की धडकन बढ जाना, हाथ-पैरों में कंपन महसूस होना, नाक से खून गिरना, स्वभाव में चिडचिडापन होना आदि सामान्य लक्षण दिखने लगते हैं।

डाइट : जैसे ही आपको उच्च रक्तचाप के बारे में पता लगे उसके निदान की ओर पूर्ण ध्यान देना बहुत जरूरी है। डाइटीशियन ईशी खोसला इस संबंध में कुछ बातों पर ध्यान देने की सलाह देती हैं।

- अपने वजन को नियंत्रित रखें, नियमित व्यायाम, सैर आदि करें।
- नमक का सेवन नियंत्रित करें। सैलेड व फलों पर ऊपर से नमक छिडककर न खाएं।
- पूरे दिन में फैट का सेवन 3-4 टी स्पून से अधिक न हो।
- कोल्ड प्रेस्ड ऑयल का प्रयोग करें, जैसे सरसों का, तिल का, ऑलिव या मिक्स्ड ऑयल।
- लो फैट डेरी उत्पादों का प्रयोग करें इनमें दही, सोया मिल्क, स्किम्ड मिल्क आदि शामिल है।
- शराब या एल्कोहॉल पर नियंत्रण रखें। प्रतिदिन 60 एमएल से अधिक एल्कोहॉल न लें। ह्नकैफीन यानी चाय-कॉफी को भी नियमित मात्रा में लें।
- मौसमी फल व सब्जियों, जडी-बूटियों, हर्बल चाय, हरी शाक सब्जियों को अपने भोजन में शामिल करें।
- सोया, नट्स, फैटी फिश, मस्टर्ड सीड, फ्लैक्स सीड, मेथी आदि का प्रयोग किसी न किसी रूप में अवश्य करें। उच्च रक्तचाप से बचने के लिए निम्नलिखित पौष्टिक तत्वों का सेवन अवश्य करें। इसके लिए अधिक परेशान होने की जरूरत नहीं है। ये तत्व रोज के भोजन में से ही प्राप्त हो सकते हैं बस इन के प्रति जागरूकता होनी चाहिए।

पोटैशियम : फल-सब्जियों जैसे- आलू, पालक, टमाटर, केले, संतरे और मेवे का सेवन करें।

कैल्शियम : लो फैट दूध, दही, हरी सब्जियां जैसे पालक, बथुआ, पुदीना, चौलाई, अखरोट, सेम की फली इत्यादि खाएं।

फाइबर : साबुत अनाज, अंकुरित दालें, मटर सोयाबीन, गेहूं चोकर इत्यादि का सेवन करें।

डब्ल्यू 3 फैट : प्यूफायुक्त तेलों का सेवन लाभकारी होता है इसमें मछली, सरसों का तेल, गेहूं, राजमा, लोबिया, मेथी दाना व सोयाबीन से मिलता है।

मैग्नीशियम : यह हमारे रक्त संचार को दुरुस्त रखता है इसमें साबुत अनाज दालों, पालक, गेहूं की ब्रैड आदि शामिल हैं। अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए स्वयं का सक्रिय सहयोग आवश्यक है। दवा के स्थान पर उचित खानपान नियमित जीवन शैली उच्च रक्तचाप के उपचार में लाभप्रद है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3973

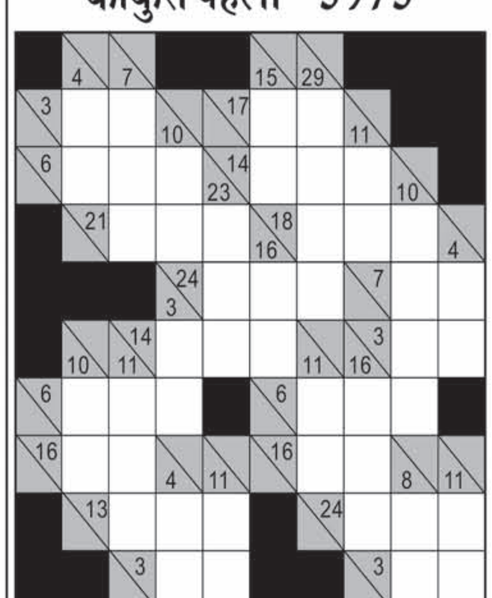

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

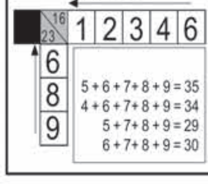

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3972 का हल

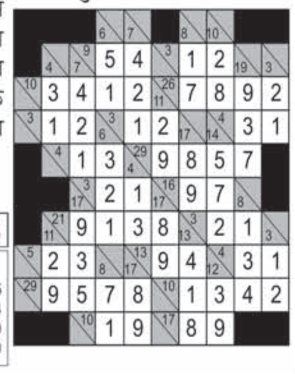

लॉफिंग जौक्स

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

□ □ □

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

□ □ □

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3973

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६.फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०.संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3972

सूडोकु -3973

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3972 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 3973

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -3972 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी